

Федеральное государственное бюджетное образовательное учреждение высшего образования «Кемеровский государственный университет»

Кузбасский гуманитарно-педагогический институт федерального государственного бюджетного образовательного учреждения высшего образования «Кемеровский государственный университет»

Научно-методическим советом КемГУ
Протокол № 4 от 23.04.2025

УТВЕРЖДАЮ

Ректор КемГУ

_____ Просеков А. Ю.

УЧЕБНЫЙ ПЛАН

20 г.

по программе бакалавриата

44.03.05

По направлению подготовки 44.03.05 Педагогическое образование (с двумя профилями подготовки)

Направленность (профиль): Биология и Химия
Кафедра: Естественнонаучных дисциплин
Факультет: физической культуры, естествознания и природопользования

| |
|----------------------------------|
| Квалификация: Бакалавр |
| Форма обучения: очная форма |
| Срок получения образования: 5 л. |

Год начала подготовки (по учебному плану)2023

Учебный год2025-2026

Образовательный стандарт (ФГОС)№ 125 от 22.02.2018

| Код | Области профессиональной деятельности и (или) сферы профессиональной деятельности. Профессиональные стандарты | Приказ Минтруда | Зарегистрировано в Минюст |
|--------|--|-------------------------|---------------------------|
| 01 | ОБРАЗОВАНИЕ И НАУКА | | |
| 01.001 | ПЕДАГОГ (ПЕДАГОГИЧЕСКАЯ ДЕЯТЕЛЬНОСТЬ В СФЕРЕ ДОШКОЛЬНОГО, НАЧАЛЬНОГО ОБЩЕГО, ОСНОВНОГО ОБЩЕГО, СРЕДНЕГО ОБЩЕГО ОБРАЗОВАНИЯ) (ВОСПИТАТЕЛЬ, УЧИТЕЛЬ) | № 544н от 18.10.2013 г. | 06.12.2013 г. № 30550 |

| | |
|----------|--|
| Основной | Типы задач профессиональной деятельности |
| + | педагогический |

СОГЛАСОВАНО

Проректор по ЦТ_____ / Котов Р. М./

Директор КГПИ КемГУ_____ / Вержицкий Д. Г./

Декан ФФКЕП_____ / Рябов В. А./

| Степень | Курс | Наименование | Формы курс. ит. | | | к.в. | Итого часов | | | | | | | | | | Семестр 1 | | | | | | | | | | Семестр 2 | | | | | | | | | | Семестр 3 | | | | | | | | | | Семестр 4 | | | | | | | | | | Семестр 5 | | | | | | | | | | Семестр 6 | | | | | | | | | | Семестр 7 | | | | | | | | | | Семестр 8 | | | | | | | | | | Семестр 9 | | | | | | | | | | Семестр 10 | | | | | | | | | | Семестр 11 | | | | | | | | | | Семестр 12 | | | | | | | | | | Семестр 13 | | | | | | | | | | Семестр 14 | | | | | | | | | | Семестр 15 | | | | | | | | | | Семестр 16 | | | | | | | | | | Семестр 17 | | | | | | | | | | Семестр 18 | | | | | | | | | | Семестр 19 | | | | | | | | | | Семестр 20 | | | | | | | | | | Семестр 21 | | | | | | | | | | Семестр 22 | | | | | | | | | | Семестр 23 | | | | | | | | | | Семестр 24 | | | | | | | | | | Семестр 25 | | | | | | | | | | Семестр 26 | | | | | | | | | | Семестр 27 | | | | | | | | | | Семестр 28 | | | | | | | | | | Семестр 29 | | | | | | | | | | Семестр 30 | | | | | | | | | | Семестр 31 | | | | | | | | | | Семестр 32 | | | | | | | | | | Семестр 33 | | | | | | | | | | Семестр 34 | | | | | | | | | | Семестр 35 | | | | | | | | | | Семестр 36 | | | | | | | | | | Семестр 37 | | | | | | | | | | Семестр 38 | | | | | | | | | | Семестр 39 | | | | | | | | | | Семестр 40 | | | | | | | | | | Семестр 41 | | | | | | | | | | Семестр 42 | | | | | | | | | | Семестр 43 | | | | | | | | | | Семестр 44 | | | | | | | | | | Семестр 45 | | | | | | | | | | Семестр 46 | | | | | | | | | | Семестр 47 | | | | | | | | | | Семестр 48 | | | | | | | | | | Семестр 49 | | | | | | | | | | Семестр 50 | | | | | | | | | | Семестр 51 | | | | | | | | | | Семестр 52 | | | | | | | | | | Семестр 53 | | | | | | | | | | Семестр 54 | | | | | | | | | | Семестр 55 | | | | | | | | | | Семестр 56 | | | | | | | | | | Семестр 57 | | | | | | | | | | Семестр 58 | | | | | | | | | | Семестр 59 | | | | | | | | | | Семестр 60 | | | | | | | | | | Семестр 61 | | | | | | | | | | Семестр 62 | | | | | | | | | | Семестр 63 | | | | | | | | | | Семестр 64 | | | | | | | | | | Семестр 65 | | | | | | | | | | Семестр 66 | | | | | | | | | | Семестр 67 | | | | | | | | | | Семестр 68 | | | | | | | | | | Семестр 69 | | | | | | | | | | Семестр 70 | | | | | | | | | | Семестр 71 | | | | | | | | | | Семестр 72 | | | | | | | | | | Семестр 73 | | | | | | | | | | Семестр 74 | | | | | | | | | | Семестр 75 | | | | | | | | | | Семестр 76 | | | | | | | | | | Семестр 77 | | | | | | | | | | Семестр 78 | | | | | | | | | | Семестр 79 | | | | | | | | | | Семестр 80 | | | | | | | | | | Семестр 81 | | | | | | | | | | Семестр 82 | | | | | | | | | | Семестр 83 | | | | | | | | | | Семестр 84 | | | | | | | | | | Семестр 85 | | | | | | | | | | Семестр 86 | | | | | | | | | | Семестр 87 | | | | | | | | | | Семестр 88 | | | | | | | | | | Семестр 89 | | | | | | | | | | Семестр 90 | | | | | | | | | | Семестр 91 | | | | | | | | | | Семестр 92 | | | | | | | | | | Семестр 93 | | | | | | | | | | Семестр 94 | | | | | | | | | | Семестр 95 | | | | | | | | | | Семестр 96 | | | | | | | | | | Семестр 97 | | | | | | | | | | Семестр 98 | | | | | | | | | | Семестр 99 | | | | | | | | | | Семестр 100 | | | | | | | | | | Семестр 101 | | | | | | | | | | Семестр 102 | | | | | | | | | | Семестр 103 | | | | | | | | | | Семестр 104 | | | | | | | | | | Семестр 105 | | | | | | | | | | Семестр 106 | | | | | | | | | | Семестр 107 | | | | | | | | | | Семестр 108 | | | | | | | | | | Семестр 109 | | | | | | | | | | Семестр 110 | | | | | | | | | | Семестр 111 | | | | | | | | | | Семестр 112 | | | | | | | | | | Семестр 113 | | | | | | | | | | Семестр 114 | | | | | | | | | | Семестр 115 | | | | | | | | | | Семестр 116 | | | | | | | | | | Семестр 117 | | | | | | | | | | Семестр 118 | | | | | | | | | | Семестр 119 | | | | | | | | | | Семестр 120 | | | | | | | | | | Семестр 121 | | | | | | | | | | Семестр 122 | | | | | | | | | | Семестр 123 | | | | | | | | | | Семестр 124 | | | | | | | | | | Семестр 125 | | | | | | | | | | Семестр 126 | | | | | | | | | | Семестр 127 | | | | | | | | | | Семестр 128 | | | | | | | | | | Семестр 129 | | | | | | | | | | Семестр 130 | | | | | | | | | | Семестр 131 | | | | | | | | | | Семестр 132 | | | | | | | | | | Семестр 133 | | | | | | | | | | Семестр 134 | | | | | | | | | | Семестр 135 | | | | | | | | | | Семестр 136 | | | | | | | | | | Семестр 137 | | | | | | | | | | Семестр 138 | | | | | | | | | | Семестр 139 | | | | | | | | | | Семестр 140 | | | | | | | | | | Семестр 141 | | | | | | | | | | Семестр 142 | | | | | | | | | | Семестр 143 | | | | | | | | | | Семестр 144 | | | | | | | | | | Семестр 145 | | | | | | | | | | Семестр 146 | | | | | | | | | | Семестр 147 | | | | | | | | | | Семестр 148 | | | | | | | | | | Семестр 149 | | | | | | | | | | Семестр 150 | | | | | | | | | | Семестр 151 | | | | | | | | | | Семестр 152 | | | | | | | | | | Семестр 153 | | | | | | | | | | Семестр 154 | | | | | | | | | | Семестр 155 | | | | | | | | | | Семестр 156 | | | | | | | | | | Семестр 157 | | | | | | | | | | Семестр 158 | | | | | | | | | | Семестр 159 | | | | | | | | | | Семестр 160 | | | | | | | | | | Семестр 161 | | | | | | | | | | Семестр 162 | | | | | | | | | | Семестр 163 | | | | | | | | | | Семестр 164 | | | | | | | | | | Семестр 165 | | | | | | | | | | Семестр 166 | | | | | | | | | | Семестр 167 | | | | | | | | | | Семестр 168 | | | | | | | | | | Семестр 169 | | | | | | | | | | Семестр 170 | | | | | | | | | | Семестр 171 | | | | | | | | | | Семестр 172 | | | | | | | | | | Семестр 173 | | | | | | | | | | Семестр 174 | | | | | | | | | | Семестр 175 | | | | | | | | | | Семестр 176 | | | | | | | | | | Семестр 177 | | | | | | | | | | Семестр 178 | | | | | | | | | | Семестр 179 | | | | | | | | | | Семестр 180 | | | | | | | | | | Семестр 181 | | | | | | | | | | Семестр 182 | | | | | | | | | | Семестр 183 | | | | | | | | | | Семестр 184 | | | | | | | | | | Семестр 185 | | | | | | | | | | Семестр 186 | | | | | | | | | | Семестр 187 | | | | | | | | | | Семестр 188 | | | | | | | | | | Семестр 189 | | | | | | | | | | Семестр 190 | | | | | | | | | | Семестр 191 | | | | | | | | | | Семестр 192 | | | | | | | | | | Семестр 193 | | | | | | | | | | Семестр 194 | | | | | | | | | | Семестр 195 | | | | | | | | | | Семестр 196 | | | | | | | | | | Семестр 197 | | | | | | | | | | Семестр 198 | | | | | | | | | | Семестр 199 | | | | | | | | | | Семестр 200 | | | | | | | | | | Семестр 201 | | | | | | | | | | Семестр 202 | | | | | | | | | | Семестр 203 | | | | | | | | | | Семестр 204 | | | | | | | | | | Семестр 205 | | | | | | | | | | Семестр 206 | | | | | | | | | | Семестр 207 | | | | | | | | | | Семестр 208 | | | | | | | | | | Семестр 209 | | | | | | | | | | Семестр 210 | | | | | | | | | | Семестр 211 | | | | | | | | | | Семестр 212 | | | | | | | | | | Семестр 213 | | | | | | | | | | Семестр 214 | | | | | | | | | | Семестр 215 | | | | | | | | | | Семестр 216 | | | | | | | | | | Семестр 217 | | | | | | | | | | Семестр 218 | | | | | | | | | | Семестр 219 | | | | | | | | | | Семестр 220 | | | | | | | | | | Семестр 221 | | | | | | | | | | Семестр 222 | | | | | | | | | | Семестр 223 | | | | | | | | | | Семестр 224 | | | | | | | | | | Семестр 225 | | | | | | | | | | Семестр 226 | | | | | | | | | | Семестр 227 | | | | | | | | | | Семестр 228 | | | | | | | | | | Семестр 229 | | | | | | | | | | Семестр 230 | | | | | | | | | | Семестр 231 | | | | | | | | | | Семестр 232 | | | | | | | | | | Семестр 233 | | | | | | | | | | Семестр 234 | | | | | | | | | | Семестр 235 | | | | | | | | | | Семестр 236 | | | | | | | | | | Семестр 237 | | | | | | | | | | Семестр 238 | | | | | | | | | | Семестр 239 | | | | | | | | | | Семестр 240 | | | | | | | | | | Семестр 241 | | | | | | | | | | Семестр 242 | | | | | | | | | | Семестр 243 | | | | | | | | | | Семестр 244 | | | | | | | | | | Семестр 245 | | | | | | | | | | Семестр 246 | | | | | | | | | | Семестр 247 | | | | | | | | | | Семестр 248 | | | | | | | | | | Семестр 249 | | | | | | | | | | Семестр 250 | | | | | | | | | | Семестр 251 | | | | | | | | | | Семестр 252 | | | | | | | | | | Семестр 253 | | | | | | | | | | Семестр 254 | | | | | | | | | | Семестр 255 | | | | | | | | | | Семестр 256 | | | | | | | | | | Семестр 257 | | | | | | | | | | Семестр 258 | | | | | | | | | | Семестр 259 | | | | | | | | | | Семестр 260 | | | | | | | | | | Семестр 261 | | | | | | | | | | Семестр 262 | | | | | | | | | | Семестр 263 | | | | | | | | | | Семестр 264 | | | | | | | | | | Семестр 265 | | | | | | | | | | Семестр 266 | | | | | | | | | | Семестр 267 | | | | | | | | | | Семестр 268 | | | | | | | | | | Семестр 269 | | | | | | | | | | Семестр 270 | | | | | | | | | | Семестр 271 | | | | | | | | | | Семестр 272 | | | | | | | | | | Семестр 273 | | | | | | | | | | Семестр 274 | | | | | | | | | | Семестр 275 | | | | | | | | | | Семестр 276 | | | | | | | | | | Семестр 277 | | | | | | | | | | Семестр 278 | | | | | | | | | | Семестр 279 | | | | | | | | | | Семестр 280 | | | | | | | | | | Семестр 281 | | | | | | | | | | Семестр 282 | | | | | | | | | | Семестр 283 | | | | | | | | | | Семестр 284 | | | | | | | | | | Семестр 285 | | | | | | | | | | Семестр 286 | | | | | | | | | | Семестр 287 | | | | | | | | | | Семестр 288 | | | | | | | | | | Семестр 289 | | | | | | | | | | Семестр 290 | | | | | | | | | | Семестр 291 | | | | | | | | | | Семестр 292 | | | | | | | | | | Семестр 293 | | | | | | | | | | Семестр 294 | | | | | | | | | | Семестр 295 | | | | | | | | | | Семестр 296 | | | | | | | | | | Семестр 297 | | | | | | | | | | Семестр 298 | | | | | | | | | | Семестр 299 | | | | | | | | | | Семестр 300 | | | | | | | | | | Семестр 301 | | | | | | | | | | Семестр 302 | | | | | | | | | | Семестр 303 | | | | | | | | | | Семестр 304 | | | | | | | | | | Семестр 305 | | | | | | | | | | Семестр 306 | | | | | | | | | | Семестр 307 | | | | | | | | | | Семестр 308 | | | | | | | | | | Семестр 309 | | | | | | | | | | Семестр 310 | | | | | | | | | | Семестр 311 | | | | | | | | | | Семестр 312 | | | | | | | | | | Семестр 313 | | | | | | | | | | Семестр 314 | | | | | | | | | | Семестр 315 | | | | | | | | | | Семестр 316 | | | | | | | | | | Семестр 317 | | | | | | | | | | Семестр 318 | | | | | | | | | | Семестр 319 | | | | | | | | | | Семестр 320 | | | | | | | | | | Семестр 321 | | | | | | | | | | Семестр 322 | | | | | | | | | | Семестр 323 | | | | | | | | | | Семестр 324 | | | | | | | | | | Семестр 325 | | | | | | | | | | Семестр 326 | | | | | | | | | | Семестр 327 | | | | | | | | | | Семестр 328 | | | | | | | | | | Семестр 329 | | | | | | | | | | Семестр 330 | | | | | | | | | | Семестр 331 | | | | | | | | | | Семестр 332 | | | | | | | | | | Семестр 333 | | | | | | | | | | Семестр 334 | | | | | | | | | | Семестр 335 | | | | | | | | | | Семестр 336 | | | | | | | | | | Семестр 337 | | | | | | | | | | Семестр 338 | | | | | | | | | | Семестр 339 | | | | | | | | | | Семестр 340 | | | | | | | | | | Семестр 341 | | | | | | | | | | Семестр 342 | | | | | | | | | | Семестр 343 | | | | | | | | | | Семестр 344 | | | | | | | | | | Семестр 345 | | | | | | | | | | Семестр 346 | | | | | | | | | | Семестр 347 | | | | | | | | | | Семестр 348 | | | | | | | | | | Семестр 349 | | | | | | | | | | Семестр 350 | | | | | | | | | | Семестр 351 | | | | | | | | | | Семестр 352 | | | | | | | | | | Семестр 353 | | | | | | | | | | Семестр 354 | | | | | | | | | | Семестр 355 | | | | | | | | | | Семестр 356 | | | | | | | | | | Семестр 357 | | | | | | | | | | Семестр 358 | | | | | | | | | | Семестр 359 | | | | | | | | | | Семестр 360 | | | | | | | | | | Семестр 361 | | | | | | | | | | Семестр 362 | | | | | | | | | | Семестр 363 | | | | | | | | | | Семестр 364 | | | | | | | | | | Семестр 365 | | | | | | | | | | Семестр 366 | | | | | | | | | | Семестр 367 | | | | | | | | | | Семестр 368 | | | | | | | | | | Семестр 369 | | | | | | | | | | Семестр 370 | | | | | | | | | | Семестр 371 | | | | | | | | | | Семестр 372 | | | | | | | | | | Семестр 373 | | | | | | | | | | Семестр 374 | | | | | | | | | | Семестр 375 | | | | | | | | | | Семестр 376 | | | | | | | | | | Семестр 377 | | | | | | | | | | Семестр 378 | | | | | | | | | | Семестр 379 | | | | | | | | | | Семестр 380 | | | | | | | | | | Семестр 381 | | | | | | | | | | Семестр 382 | | | | | | | | | | Семестр 383 | | | | | | | | | | Семестр 384 | | | | | | | | | | Семестр 385 | | | | | | | | | | Семестр 386 | | | | | | | | | | Семестр 387 | | | | | | | | | | Семестр 388 | | | | | | | | | | Семестр 389 | | | | | | | | | | Семестр 390 | | | | | | | | | | Семестр 391 | | | | | | | | | | Семестр 392 | | | | | | | | | | Семестр 393 | | | | | | | | | | Семестр 394 | | | | | | | | | | Семестр 395 | | | | | | | | | | Семестр 396 | | | | | | | | | | Семестр 397 | | | | | | | | | | Семестр 398 | | | | | | | | | | Семестр 399 | | | | | | | | | | Семестр 400 | | | | | | | | | | Семестр 401 | | | | | | | | | | Семестр 402 | | | | | | | | | | Семестр 403 | | | | | | | | | | Семестр 404 | | | | | | | | | | Семестр 405 | | | | | | | | | | Семестр 406 | | | | | | | | | | Семестр 407 | | | | | | | | | | Семестр 408 | | | | | | | | | | Семестр 409 | | | | | | | | | | Семестр 410 | | | | | | | | | | Семестр 411 | | | | | | | | | | Семестр 412 | | | | | | | | | | Семестр 413 | | | | | | | | | | Семестр 414 | | | | | | | | | | Семестр 415 | | | | | | | | | | Семестр 416 | | | | | | | | | | Семестр 417 | | | | | | | | | | Семестр 418 | | | | | | | | | | Семестр 419 | | | | | | | | | | Семестр 420 | | | | | | | | | | Семестр 421 | | | | | | | | | | Семестр 422 | | | | | | | | | | Семестр 423 | | | | | | | | | | Семестр 424 | | | | | | | | | | Семестр 425 | | | | | | | | | | Семестр 426 | | | | | | | | | | Семестр 427 | | | | | | | | | | Семестр 428 | | | | | | | | | | Семестр 429 | | | | | | | | | | Семестр 430 | | | | | | | | | | Семестр 431 | | | | | | | | | | Семестр 432 | | | | | | | | | | Семестр 433 | | | | | | | | | | Семестр 434 | | | | | | | | | | Семестр 435 | | | | | | | | | | Семестр 436 | | | | | | | | | | Семестр 437 | | | | | | | | | | Семестр 438 | | | | | | | | | | Семестр 439 | | | | | | | | | | Семестр 440 | | | | | | | | | | Семестр 441 | | | | | | | | | | Семестр 442 | | | | | | | | | | Семестр 443 | | | | | | | | | | Семестр 444 | | | | | | | | | | Семестр 445 | | | | | | | | | | Семестр 446 | | | | | | | | | | Семестр 447 | | | | | | | | | | Семестр 448 | | | | | | | | | | Семестр 449 | | | | | | | | | | Семестр 450 | | | | | | | | | | Семестр 451 | | | | | | | | | | Семестр 452 | | | | | | | | | | Семестр 453 | | | | | | | | | | Семестр 454 | | | | | | | | | | Семестр 455 | | | | | | | | | | Семестр 456 | | | | | | | | | | Семестр 457 | | | | | | | | | | Семестр 458 | | | | | | | | | | Семестр 459 | | | | | | | | | | Семестр 460 | | | | | | | | | | Семестр 461 | | | | | | | | | | Семестр 462 | | | | | | | | | | Семестр 463 | | | | | | | | | | Семестр 464 | | | | | | | | | | Семестр 465 | | | | | | | | | | Семестр 466 | | | | | | | | | | Семестр 467 | | | | | | | | | | Семестр 468 | | | | | | | | | | Семестр 469 | | | | | | | | | | Семестр 470 | | | | | | | | | | Семестр 471 | | | | | | | | | | Семестр 472 | | | | | | | | | | Семестр 473 | | | | | | | | | | Семестр 474 | | | | | | | | | | Семестр 475 | | | | | | | | | | Семестр 476 | | | | | | | | | | Семестр 477 | | | | | | | | | | Семестр 478 | | | | | | | | | | Семестр 479 | | | | | | | | | | Семестр 480 | | | | | | | | | | Семестр 481 | | | | | | | | | | Семестр 482 | | | | | | | | | | Семестр 483 | | | | | | | | | | Семестр 484 | | | | | | | | | | Семестр 485 | | | | | | | | | | Семестр 486 | | | | | | | | | | Семестр 487 | | | | | | | | | | Семестр 488 | | | | | | | | | | Семестр 489 | | | | | | | | | | Семестр 490 | | | | | | | | | | Семестр 491 | | | | | | | | | | Семестр 492 | | | | | | | | | | Семестр 493 | | | | | | | | | | Семестр 494 | | | | | | | | | | Семестр 495 | | | | | | | | | | Семестр 496 | | | | | | | | | | Семестр 497 | | | | | | | | | | Семестр 498 | | | | | | | | | | Семестр 499 | | | | | | | | | | Семестр 500 | | | | | | | | | | Семестр 501 | | | | | | | | | | Семестр 502 | | | | | | | | | | Семестр 503 | | | | | | | | | | Семестр 504 | | | | | | | | | | Семестр 505 | | | | | | | | | | Семестр 506 | | | | | | | | | | Семестр 507 | | | | | | | | | | Семестр 508 | | | | | | | | | | Семестр 509 | | | | | | | | | | Семестр 510 | | | | | | | | | | Семестр 511 | | | | | | | | | | Семестр 512 | | | | | | | | | | Семестр 513 | | | | | | | | | | Семестр 514 | | | | | | | | | | Семестр 515 | | | | | | | | | | Семестр 516 | | | | | | | | | | Семестр 517 | | | | | | | | | | Семестр 518 | | | | | | | | | | Семестр 519 | | | | | | | | | | Семестр 520 | | | | | | | | | | Семестр 521 | | | | | | | | | | Семестр 522 | | | | | | | | | | Семестр 523 | | | | | | | | | | Семестр 524 | | | | | | | | | | Семестр 525 | | | | | | | | | | Семестр 526 | | | | | | | | | | Семестр 527 | | | | | | | | | | Семестр 528 | | | | | | | | | | Семестр 529 | | | | | | | | | | Семестр 530 | | | | | | | | | | Семестр 531 | | | | | | | | | | Семестр 532 | | | | | | | | | | Семестр 533 | | | | | | | | | | Семестр 534 | | | | | | | | | | Семестр 535 | | | | | | | | | | Семестр 536 | | | | | | | | | | Семестр 537 | | | | | | | | | | Семестр 538 | | | | | | | | | | Семестр 539 | | | | | | | | | | Семестр 540 | | | | | | | | | | Семестр 541 | | | | | | | | | | Семестр 542 | | | | | | | | | | Семестр 543 | | | | | | | | | | Семестр 544 | | | | | | | | | | Семестр 545 | | | | | | | | | | Семестр 546 | | | | | | | | | | Семестр 547 | | | | | | | | | | Семестр 548 | | | | | | | | | | Семестр 549 | | | | | | | | | | Семестр 550 | | | | | | | | | | Семестр 551 | | | | | | | | | | Семестр 552 | | | | | | | | | | Семестр 553 | | | | | | | | | | Семестр 554 | | | | | | | | | | Семестр 555 | | | | | | | | | | Семестр 556 | | | | | | | | | | Семестр 557 | | | | | | | | | | Семестр 558 | | | | | | | | | | Семестр 559 | | | | | | | | | | Семестр 560 | | | | | | | | | | Семестр 561 | | | | | | | | | | Семестр 562 | | | | | | | | | | Семестр 563 | | | | | | | | | | Семестр 564 | | | | | | | | | | Семестр 565 | | | | | | | | | | Семестр 566 | | | | | | | | | | Семестр 567 | | | | | | | | | | Семестр 568 | | | | | | | | | | Семестр 569 | | | | | | | | | | Семестр 570 | | | | | | | | | | Семестр 571 | | | | | | | | | | Семестр 572 | | | | | | | | | | Семестр 573 | | | | | | | | | | Семестр 574 | | | | | | | | | | Семестр 575 | | | | | | | | | | Семестр 576 | | | | | | | | | | Семестр 577 | | | | | | | | | | Семестр 578 | | | | | | | | | | Семестр 579 | | | | | | | | | | Семестр 580 | | | | | | | | | | Семестр 581 | | | | | | | | | | Семестр 582 | | | | | | | | | | Семестр 583 | | | | | | | | | | Семестр 584 | | | | | | | | | | Семестр 585 | | | | | | | | | | Семестр 586 | | | | | | | | | | Семестр 587 | | | | | | | | | | Семестр 588 | | | | | | | | | | Семестр 589 | | | | | | | | | | Семестр 590 | | | | | | | | | | Семестр 591 | | | | | | | | | | Семестр 592 | | | | | | | | | | Семестр 593 | | | | | | | | | | Семестр 594 | | | | | | | | | | Семестр 595 | | | | | | | | | | Семестр 596 | | | | | | | | | | Семестр 597 | | | | | | | | | | Семестр 598 | | | | | | | | | | Семестр 599 | | | | | | | | | | Семестр 600 | | | | | | | | | | Семестр 601 | | | | | | | | | | Семестр 602 | | | | | | | | | | Семестр 603 | | | | | | | | | | Семестр 604 | | | | | | | | | | Семестр 605 | | | | | | | | | | Семестр 606 | | | | | | | | | | Семестр 607 | | | | | | | | | | Семестр 608 | | | | | | | | | | Семестр 609 | | | | | | | | | | Семестр 610 | | | | | | | | | | Семестр 611 | | | | | | | | | | Семестр 612 | | | | | | | | | | Семестр 613 | | | | | | | | | | Семестр 614 | | | | | | | | | | Семестр 615 | | | | | | | | | | Семестр 616 | | | | | | | | | | Семестр 617 | | | | | | | | | | Семестр 618 | | | | | | | | | | Семестр 619 | | | | | | | | | | Семестр 620 | | | | | | | | | | Семестр 621 | | | | | | | | | | Семестр 622 | | | | | | | | | | Семестр 623 | | | | | | | | | | Семестр 624 | | | | | | | | | | Семестр 625 | | | | | | | | | | Семестр 626 | | | | | | | | | | Семестр 627 | | | | | | | | | | Семестр 628 | | | | | | | | | | Семестр 629 | | | | | | | | | | Семестр 630 | | | | | | | | | | Семестр 631 | | | | | | | | | | Семестр 632 | | | | | | | | | | Семестр 633 | | | | | | | | | | Семестр 634 | | | | | | | | | | Семестр 635 | | | | | | | | | | Семестр 636 | | | | | | | | | | Семестр 637 | | | | | | | | | | Семестр 638 | | | | | | | | | | Семестр 639 | | | | | | | | | | Семестр 640 | | | | | | | | | | Семестр 641 | | | | | | | | | | Семестр 642 | | | | | | | | | | Семестр 643 | | | | | | | | | | Семестр 644 | | | | | | | | | | Семестр 645 | | | | | | | | | | Семестр 646 | | | | | | | | | | Семестр 647 | | | | | | | | | | Семестр 648 | | | | | | | | | | Семестр 649 | | | | | | | | | | Семестр 650 | | | | | | | | | | Семестр 651 | | | | | | | | | | Семестр 652 | | | | | | | | | | Семестр 653 | | | | | | | | | | Семестр 654 | | | | | | | | | | Семестр 655 | | | | | | | | | | Семестр 656 | | | | | | | | | | Семестр 657 | | | | | | | | | | Семестр 658 | | | | | | | | | | Семестр 659 | | | | | | | | | | Семестр 660 | | | | | | | | | | Семестр 661 | | | | | | | | | | Семестр 662 | | | | | | | | | | Семестр 663 | | | | | | | | | | Семестр 664 | | | | | | | | | | Семестр 665 | | | | | | | | | | Семестр 666 | | | | | | | | | | Семестр 667 | | | | | | | | | | Семестр 668 | | | | | | | | | | Семестр 669 | | | | | | | | | | Семестр 670 | | | | | | | | | | Семестр 671 | | | | | | | | | | Семестр 672 | | | | | | | | | | Семестр 673 | | | | | | | | | | Семестр 674 | | | | | | | | | | Семестр 675 | | | | | | | | | | Семестр 676 | | | | | | | | | | Семестр 677 | | | | | | | | | | Семестр 678 | | | | | | | | | | Семестр 679 | | | | | | | | | | Семестр 680 | | | | | | | | | | Семестр 681 | | | | | | | | | | Семестр 682 | | | | | | | | | | Семестр 683 | | | | | | | | | | Семестр 684 | | | | | | | | | | Семестр 685 | | | | | | | | | | Семестр 686 | | | | | | | | | | Семестр 687 | | | | | | | | | | Семестр 688 | | | | | | | | | | Семестр 689 | | | | | | | | | | Семестр 690 | | | | | | | | | | Семестр 691 | | | | | | | | | | Семестр 692 | | | | | | | | | | Семестр 693 | | | | | | | | | | Семестр 694 | | | | | | | | | | Семестр 695 | | | | | | | | | | Семестр 696 | | | | | | | | | | Семестр 697 | | | | | | | | | | Семестр 698 | | | | | | | | | | Семестр 699 | | | | | | | | | | Семестр 700 | | | | | | | | | | Семестр 701 | | | | | | | | | | Семестр 702 | | | | | | | | | | Семестр 703 | | | | | | | | | | Семестр 704 | | | | | | | | | | Семестр 705 | | | | | | | | | | Семестр 706 | | | | | | | | | | Семестр 707 | | | | | | | | | | Семестр 708 | | | | | | | | | | Семестр 709 | | | | | | | | | | Семестр 710 | | | | | | | | | | Семестр 711 | | | | | | | | | | Семестр 712 | | | | | | | | | | Семестр 713 | | | | | | | | | | Семестр 714 | | | | | | | | | | Семестр 715 | | | | | | | | | | Семестр 716 | | | | | | | | | | Семестр 717 | | | | | | | | | | Семестр 718 | | | | | | | | | | Семестр 719 | | | | | | | | | | Семестр 720 | | | | | | | | | | Семестр 721 | | | | | | | | | | Семестр 722 | | | | | | | | | | Семестр 723 | | | | | | | | | | Семестр 724 | | | | | | | | | | Семестр 725 | | | | | | | | | | Семестр 726 | | | | | | | | | | Семестр 727 | | | | | | | | | | Семестр 728 | | | | | | | | | | Семестр 729 | | | | | | | | | | Семестр 730 | | | | | | | | | | С | | | | | | | | | |
|---------|------|--------------|-----------------|--|--|------|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---|--|--|--|--|--|--|--|--|--|
|---------|------|--------------|-----------------|--|--|------|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---|--|--|--|--|--|--|--|--|--|

| Индекс | | Содержание | Тип |
|--------|---------------|---|-----|
| УК-1 | | Способен осуществлять поиск, критический анализ и синтез информации, применять системный подход для решения поставленных задач | УК |
| | УК-1.1 | Решает поставленные задачи с применением системного подхода | - |
| | УК-1.2 | Соотносит разнородные явления и систематизирует их в соответствии с требованиями и условиями задачи | - |
| | УК-1.3 | Имеет практический опыт работы с информационными источниками | - |
| | УК-1.4 | Владеет приемами сбора, структурирования и систематизации информации | - |
| | УК-1.5 | Имеет практический опыт представления информации с помощью различных математических моделей | - |
| | К.М.01 | Социально-гуманитарный модуль | |
| | К.М.01.02 | Философия | |
| | К.М.02 | Коммуникативно-цифровой модуль | |
| | К.М.02.03 | Основы системного анализа и математической обработки данных | |
| | К.М.04 | Психолого-педагогический модуль | |
| | К.М.04.03 | Методы исследования в деятельности педагога | |
| | К.М.04.05(П) | Психолого-педагогическая практика | |
| | К.М.10 | Государственная итоговая аттестация | |
| | К.М.10.01(Пд) | Преддипломная практика | |
| | К.М.10.03(Д) | Выполнение и защита выпускной квалификационной работы | |
| УК-2 | | Способен определять круг задач в рамках поставленной цели и выбирать оптимальные способы их решения, исходя из действующих правовых норм, имеющихся ресурсов и ограничений | УК |
| | УК-2.1 | Инициализация проекта. Определяет проблемы и проектную идею, круг задач в рамках поставленной цели, определяет связи между ними | - |
| | УК-2.2 | Разработка проектного задания Предлагает способы решения поставленных задач и ожидаемые результаты; оценивает предложенные способы с точки зрения соответствия цели проекта | - |
| | УК-2.3 | Планирование Планирует реализацию задач в зоне своей ответственности с учетом имеющихся ресурсов и ограничений, действующих правовых норм | - |
| | УК-2.4 | Реализация, оценка и контроль Выполняет задачи в зоне своей ответственности в соответствии с запланированными результатами и точками контроля, при необходимости корректирует способы решения задач | - |
| | УК-2.5 | Завершение и внедрение Представляет результаты проекта, предлагает возможности их использования и/или совершенствования | - |
| | К.М.01 | Социально-гуманитарный модуль | |
| | К.М.01.05 | Организация проектной и волонтерской деятельности | |
| | К.М.06 | Учебно-исследовательская и проектная деятельность школьников | |
| | К.М.06.01 | Учебно-исследовательская и проектная деятельность школьников | |
| | К.М.06.02 | Проектирование и организация учебно-исследовательской и проектной деятельности школьников | |
| | К.М.06.03(У) | Проектно-технологическая практика. Учебно-исследовательская и проектная деятельность школьников | |
| | К.М.06.04(П) | Технологическая (проектно-технологическая) практика. Учебно-исследовательская и проектная деятельность школьников | |
| | К.М.10 | Государственная итоговая аттестация | |
| | К.М.10.01(Пд) | Преддипломная практика | |
| | К.М.10.03(Д) | Выполнение и защита выпускной квалификационной работы | |
| УК-3 | | Способен осуществлять социальное взаимодействие и реализовывать свою роль в команде | УК |
| | УК-3.1 | Демонстрирует способность работать в команде, проявляет лидерские качества и умения | - |
| | УК-3.2 | Демонстрирует способность эффективного речевого и социального взаимодействия, в том числе с различными организациями | - |
| | К.М.01 | Социально-гуманитарный модуль | |
| | К.М.01.05 | Организация проектной и волонтерской деятельности | |

| | | | |
|------|-----------------|--|----|
| | К.М.05 | Воспитательная деятельность | |
| | К.М.05.01 | Методика воспитательной работы и классное руководство | |
| | К.М.05.03(П) | Воспитательная работа. Классное руководство | |
| | К.М.10 | Государственная итоговая аттестация | |
| | К.М.10.03(Д) | Выполнение и защита выпускной квалификационной работы | |
| УК-4 | | Способен осуществлять деловую коммуникацию в устной и письменной формах на государственном языке Российской Федерации и иностранном(ых) языке(ах) | УК |
| | УК-4.1 | Владеет системой норм русского литературного языка при его использовании в качестве государственного языка РФ и нормами иностранного(ых) языка(ов), использует различные формы, виды устной и письменной коммуникации | - |
| | УК-4.2 | Использует языковые средства для достижения профессиональных целей на русском и иностранном(ых) языке(ах) в рамках межкультурного общения | - |
| | УК-4.3 | Осуществляет коммуникацию в цифровой среде для достижения профессиональных целей и эффективного взаимодействия | - |
| | К.М.02 | Коммуникативно-цифровой модуль | |
| | К.М.02.01 | Иностранный язык | |
| | К.М.02.02 | Русский язык и культура речи | |
| | К.М.10 | Государственная итоговая аттестация | |
| | К.М.10.03(Д) | Выполнение и защита выпускной квалификационной работы | |
| УК-5 | | Способен воспринимать межкультурное разнообразие общества в социально-историческом, этическом и философском контекстах | УК |
| | УК-5.1 | Анализирует социокультурные различия социальных групп, опираясь на знание этапов исторического развития России в контексте мировой истории, социокультурных традиций мира, основных философских, религиозных и этических учений | - |
| | УК-5.2 | Выявляет социально-исторические особенности развития России | - |
| | УК-5.3 | Интерпретирует философские тексты в соответствии с имеющейся традицией их понимания | - |
| | К.М.01 | Социально-гуманитарный модуль | |
| | К.М.01.01 | История России | |
| | К.М.01.02 | Философия | |
| | К.М.01.06 | Основы российской государственности | |
| | К.М.10 | Государственная итоговая аттестация | |
| | К.М.10.03(Д) | Выполнение и защита выпускной квалификационной работы | |
| УК-6 | | Способен управлять своим временем, выстраивать и реализовывать траекторию саморазвития на основе принципов образования в течение всей жизни | УК |
| | УК-6.1 | Оценивает личностные ресурсы по достижению целей саморазвития и управления своим временем на основе принципов образования в течение всей жизни | - |
| | УК-6.2 | Критически оценивает эффективность использования времени и других ресурсов при реализации траектории саморазвития | - |
| | К.М.04 | Психолого-педагогический модуль | |
| | К.М.04.01 | Педагогика | |
| | К.М.10 | Государственная итоговая аттестация | |
| | К.М.10.03(Д) | Выполнение и защита выпускной квалификационной работы | |
| УК-7 | | Способен поддерживать должный уровень физической подготовленности для обеспечения полноценной социальной и профессиональной деятельности | УК |
| | УК-7.1 | Определяет личный уровень сформированности показателей физического развития и физической подготовленности | - |
| | УК-7.2 | Владеет технологиями здорового образа жизни и здоровьесбережения, отбирает комплекс физических упражнений с учетом их воздействия на функциональные и двигательные возможности, адаптационные ресурсы организма и на укрепление здоровья | - |
| | К.М.03 | Здоровьесберегающий модуль | |
| | К.М.03.02 | Физическая культура и спорт | |
| | К.М.03.ДВ.01.01 | Общая физическая подготовка | |

| | | | |
|-------|-----------------|--|-----|
| | К.М.03.ДВ.01.02 | Легкая атлетика | |
| | К.М.03.ДВ.01.03 | Спортивные игры | |
| | К.М.03.ДВ.01.04 | Плавание | |
| | К.М.10 | Государственная итоговая аттестация | |
| | К.М.10.03(Д) | Выполнение и защита выпускной квалификационной работы | |
| УК-8 | | Способен создавать и поддерживать в повседневной жизни и в профессиональной деятельности безопасные условия жизнедеятельности для сохранения природной среды, обеспечения устойчивого развития общества, в том числе при угрозе и возникновении чрезвычайных ситуаций и военных конфликтов | УК |
| | УК-8.1 | Оценивает факторы риска, умеет обеспечивать личную безопасность и безопасность окружающих в повседневной жизни и в профессиональной деятельности | - |
| | УК-8.2 | Знает и может применять методы защиты в чрезвычайных ситуациях и в условиях военных конфликтов, формирует культуру безопасного и ответственного поведения | - |
| | УК-8.3 | Разъясняет правила поведения при возникновении чрезвычайных ситуаций природного и техногенного происхождения; оказывает первую помощь | - |
| | К.М.03 | Здоровьесберегающий модуль | |
| | К.М.03.03 | Безопасность жизнедеятельности | |
| | К.М.03.04 | Основы медицинских знаний | |
| | К.М.10 | Государственная итоговая аттестация | |
| | К.М.10.03(Д) | Выполнение и защита выпускной квалификационной работы | |
| УК-9 | | Способен принимать обоснованные экономические решения в различных областях жизнедеятельности | УК |
| | УК-9.1 | Понимает базовые принципы экономического развития и функционирования экономики, цели и формы участия государства в экономике | - |
| | УК-9.2 | Применяет методы личного экономического и финансового планирования для достижения текущих и долгосрочных финансовых целей, использует финансовые инструменты для управления личными финансами (личным бюджетом), контролирует собственные экономические и финансовые риски | - |
| | К.М.01 | Социально-гуманитарный модуль | |
| | К.М.01.03 | Финансово-экономический практикум | |
| | К.М.10 | Государственная итоговая аттестация | |
| | К.М.10.03(Д) | Выполнение и защита выпускной квалификационной работы | |
| УК-10 | | Способен формировать нетерпимое отношение к проявлениям экстремизма, терроризма, коррупционному поведению и противодействовать им в профессиональной деятельности | УК |
| | УК-10.1 | Использует знание норм различных отраслей российского права и государственно-правового устройства России для анализа и оценки противоправного поведения | - |
| | УК-10.2 | Понимает причины коррупции, принципы, цели и формы борьбы с проявлениями коррупционного поведения | - |
| | УК-10.3 | Идентифицирует и оценивает коррупционные риски, демонстрирует способность противодействовать коррупционному поведению | - |
| | К.М.01 | Социально-гуманитарный модуль | |
| | К.М.01.04 | Основы права и противодействия коррупции | |
| | К.М.10 | Государственная итоговая аттестация | |
| | К.М.10.03(Д) | Выполнение и защита выпускной квалификационной работы | |
| ОПК-1 | | Способен осуществлять профессиональную деятельность в соответствии с нормативными правовыми актами в сфере образования и нормами профессиональной этики | ОПК |
| | ОПК-1.1 | Ориентируется в системе нормативно-правовых актов в сфере образования и нормах профессиональной этики | - |
| | ОПК-1.2 | Взаимодействует с участниками образовательных отношений в соответствии с правовыми и этическими нормами профессиональной деятельности | - |
| | ОПК-1.3 | Организует образовательную среду в соответствии с правовыми и этическими нормами профессиональной деятельности | - |
| | ОПК-1.4 | Планирует и реализует образовательный процесс в соответствии с правовыми и этическими нормами профессиональной деятельности | - |
| | К.М.04 | Психолого-педагогический модуль | |

| | | |
|---------------|---|-----|
| К.М.04.01 | Педагогика | |
| К.М.07 | Предметно-методический модуль по профилю "Биология" | |
| К.М.07.02 | Методика обучения по профилю Биология | |
| К.М.08 | Предметно-методический модуль по профилю "Химия" | |
| К.М.08.02 | Методика обучения по профилю Химия | |
| К.М.09 | Педагогическая практика | |
| К.М.09.01(У) | Ознакомительная практика | |
| К.М.09.02(П) | Педагогическая практика. Основная школа | |
| К.М.09.03(П) | Педагогическая практика. Старшая школа | |
| К.М.10 | Государственная итоговая аттестация | |
| К.М.10.02(Г) | Подготовка к сдаче и сдача государственного экзамена | |
| К.М.10.03(Д) | Выполнение и защита выпускной квалификационной работы | |
| ОПК-2 | Способен участвовать в разработке основных и дополнительных образовательных программ, разрабатывать отдельные их компоненты (в том числе с использованием информационно-коммуникационных технологий) | ОПК |
| ОПК-2.1 | Разрабатывает программы учебных предметов, курсов, дисциплин (модулей), программы дополнительного образования в соответствии с нормативно–правовыми актами в сфере образования | - |
| ОПК-2.2 | Осуществляет отбор педагогических и других технологий, в том числе информационно–коммуникационных, используемых при разработке основных и дополнительных образовательных программ и их элементов | - |
| ОПК-2.3 | Разрабатывает программу развития универсальных учебных действий (программу формирования общеучебных умений и навыков (личностных и метапредметных результатов освоения ООП) при получении основного общего образования с использованием ИКТ | - |
| К.М.07 | Предметно-методический модуль по профилю "Биология" | |
| К.М.07.02 | Методика обучения по профилю Биология | |
| К.М.08 | Предметно-методический модуль по профилю "Химия" | |
| К.М.08.02 | Методика обучения по профилю Химия | |
| К.М.09 | Педагогическая практика | |
| К.М.09.02(П) | Педагогическая практика. Основная школа | |
| К.М.09.03(П) | Педагогическая практика. Старшая школа | |
| К.М.10 | Государственная итоговая аттестация | |
| К.М.10.01(Пд) | Преддипломная практика | |
| К.М.10.02(Г) | Подготовка к сдаче и сдача государственного экзамена | |
| К.М.10.03(Д) | Выполнение и защита выпускной квалификационной работы | |
| ОПК-3 | Способен организовывать совместную и индивидуальную учебную и воспитательную деятельность обучающихся, в том числе с особыми образовательными потребностями, в соответствии с требованиями федеральных государственных образовательных стандартов | ОПК |
| ОПК-3.1 | Проектирует диагностируемые цели (требования к результатам) совместной и индивидуальной учебной и воспитательной деятельности обучающихся, в том числе с особыми образовательными потребностями, в соответствии с требованиями федеральных государственных образовательных стандартов | - |
| ОПК-3.2 | Использует педагогически обоснованные содержание, формы, методы и приемы организации совместной и индивидуальной учебной и воспитательной деятельности обучающихся | - |
| ОПК-3.3 | Управляет учебными группами с целью вовлечения обучающихся в процесс обучения и воспитания, оказывает помощь и поддержку в организации деятельности ученических органов самоуправления | - |
| К.М.04 | Психолого-педагогический модуль | |
| К.М.04.04 | Обучение лиц с ОВЗ и особыми образовательными потребностями | |
| К.М.05 | Воспитательная деятельность | |
| К.М.05.01 | Методика воспитательной работы и классное руководство | |
| К.М.05.03(П) | Воспитательная работа. Классное руководство | |

| | | |
|--------------|--|-----|
| К.М.06 | Учебно-исследовательская и проектная деятельность школьников | |
| К.М.06.01 | Учебно-исследовательская и проектная деятельность школьников | |
| К.М.06.02 | Проектирование и организация учебно-исследовательской и проектной деятельности школьников | |
| К.М.06.03(У) | Проектно-технологическая практика. Учебно-исследовательская и проектная деятельность школьников | |
| К.М.06.04(П) | Технологическая (проектно-технологическая) практика. Учебно-исследовательская и проектная деятельность школьников | |
| К.М.07 | Предметно-методический модуль по профилю "Биология" | |
| К.М.07.02 | Методика обучения по профилю Биология | |
| К.М.08 | Предметно-методический модуль по профилю "Химия" | |
| К.М.08.02 | Методика обучения по профилю Химия | |
| К.М.09 | Педагогическая практика | |
| К.М.09.02(П) | Педагогическая практика. Основная школа | |
| К.М.09.03(П) | Педагогическая практика. Старшая школа | |
| К.М.10 | Государственная итоговая аттестация | |
| К.М.10.02(Г) | Подготовка к сдаче и сдача государственного экзамена | |
| ОПК-4 | Способен осуществлять духовно-нравственное воспитание обучающихся на основе базовых национальных ценностей | ОПК |
| ОПК-4.1 | Демонстрирует знание духовно-нравственных ценностей личности, базовых национальных ценностей | - |
| ОПК-4.2 | Разрабатывает программу воспитания и социализации обучающихся при получении основного общего образования в составе ООП ООО | - |
| К.М.05 | Воспитательная деятельность | |
| К.М.05.01 | Методика воспитательной работы и классное руководство | |
| К.М.05.02 | Организация культурно-досуговой деятельности школьников | |
| К.М.05.03(П) | Воспитательная работа. Классное руководство | |
| К.М.09 | Педагогическая практика | |
| К.М.09.02(П) | Педагогическая практика. Основная школа | |
| К.М.09.03(П) | Педагогическая практика. Старшая школа | |
| К.М.10 | Государственная итоговая аттестация | |
| К.М.10.03(Д) | Выполнение и защита выпускной квалификационной работы | |
| ОПК-5 | Способен осуществлять контроль и оценку формирования результатов образования обучающихся, выявлять и корректировать трудности в обучении | ОПК |
| ОПК-5.1 | Осуществляет выбор содержания, методов, приемов организации контроля и оценки, в том числе ИКТ, в соответствии с установленными требованиями к образовательным результатам обучающихся | - |
| ОПК-5.2 | Осуществляет контроль и оценку образовательных результатов на основе принципов объективности и достоверности | - |
| ОПК-5.3 | Выявляет и корректирует трудности в обучении, разрабатывает предложения по совершенствованию образовательного процесса | - |
| К.М.07 | Предметно-методический модуль по профилю "Биология" | |
| К.М.07.02 | Методика обучения по профилю Биология | |
| К.М.08 | Предметно-методический модуль по профилю "Химия" | |
| К.М.08.02 | Методика обучения по профилю Химия | |
| К.М.09 | Педагогическая практика | |
| К.М.09.02(П) | Педагогическая практика. Основная школа | |
| К.М.09.03(П) | Педагогическая практика. Старшая школа | |
| К.М.10 | Государственная итоговая аттестация | |
| К.М.10.02(Г) | Подготовка к сдаче и сдача государственного экзамена | |

| | | | |
|-------|--------------|---|-----|
| | К.М.10.03(Д) | Выполнение и защита выпускной квалификационной работы | |
| ОПК-6 | | Способен использовать психолого-педагогические технологии в профессиональной деятельности, необходимые для индивидуализации обучения, развития, воспитания, в том числе обучающихся с особыми образовательными потребностями | ОПК |
| | ОПК-6.1 | Осуществляет отбор психолого–педагогических технологий (в том числе инклюзивных) и применяет их в профессиональной деятельности с учетом различного контингента обучающихся | - |
| | ОПК-6.2 | Применяет специальные технологии и методы, позволяющие проводить индивидуализацию обучения, развития, воспитания, формировать систему регуляции поведения и деятельности обучающихся | - |
| | ОПК-6.3 | Проектирует индивидуальные образовательные маршруты освоения программ учебных предметов, курсов, дисциплин (модулей), программ дополнительного образования в соответствии с образовательными потребностями обучающихся | - |
| | К.М.04 | Психолого-педагогический модуль | |
| | К.М.04.02 | Психология | |
| | К.М.04.03 | Методы исследования в деятельности педагога | |
| | К.М.04.04 | Обучение лиц с ОВЗ и особыми образовательными потребностями | |
| | К.М.04.05(П) | Психолого-педагогическая практика | |
| | К.М.07 | Предметно-методический модуль по профилю "Биология" | |
| | К.М.07.02 | Методика обучения по профилю Биология | |
| | К.М.08 | Предметно-методический модуль по профилю "Химия" | |
| | К.М.08.02 | Методика обучения по профилю Химия | |
| | К.М.09 | Педагогическая практика | |
| | К.М.09.02(П) | Педагогическая практика. Основная школа | |
| | К.М.09.03(П) | Педагогическая практика. Старшая школа | |
| | К.М.10 | Государственная итоговая аттестация | |
| | К.М.10.02(Г) | Подготовка к сдаче и сдача государственного экзамена | |
| | К.М.10.03(Д) | Выполнение и защита выпускной квалификационной работы | |
| ОПК-7 | | Способен взаимодействовать с участниками образовательных отношений в рамках реализации образовательных программ | ОПК |
| | ОПК-7.1 | Взаимодействует с родителями (законными представителями) обучающихся с учетом требований нормативно–правовых актов в сфере образования и индивидуальной ситуации обучения, воспитания, развития обучающегося | - |
| | ОПК-7.2 | Взаимодействует со специалистами в рамках психолого–медико–педагогического консилиума | - |
| | ОПК-7.3 | Взаимодействует с представителями организаций образования, социальной и духовной сферы, СМИ, бизнес–сообществ и др. | - |
| | К.М.05 | Воспитательная деятельность | |
| | К.М.05.01 | Методика воспитательной работы и классное руководство | |
| | К.М.05.02 | Организация культурно-досуговой деятельности школьников | |
| | К.М.05.03(П) | Воспитательная работа. Классное руководство | |
| | К.М.09 | Педагогическая практика | |
| | К.М.09.02(П) | Педагогическая практика. Основная школа | |
| | К.М.09.03(П) | Педагогическая практика. Старшая школа | |
| | К.М.10 | Государственная итоговая аттестация | |
| | К.М.10.03(Д) | Выполнение и защита выпускной квалификационной работы | |
| ОПК-8 | | Способен осуществлять педагогическую деятельность на основе специальных научных знаний | ОПК |
| | ОПК-8.1 | Применяет специальные научные знания, в том числе в предметной области, методы научно–педагогического исследования, методы анализа педагогической ситуации, профессиональную рефлексию в разработке ООП, ДОП, рабочих программ учебных предметов и курсов внеурочной деятельности | - |
| | ОПК-8.2 | Применяет специальные научные знания, в том числе в предметной области, методы научно–педагогического исследования, методы анализа педагогической ситуации, профессиональную рефлексию в реализации ООП, ДОП, рабочих программ учебных предметов и курсов внеурочной деятельности | - |

| | | |
|-------------------------------|--|-----|
| ОПК-8.3 | Применяет специальные научные знания, в т.ч. в предметной области, в разработке и реализации программ, корректирующих личностные, метапредметные и предметные достижения обучающихся, в том числе с особыми образовательными возможностями и потребностями, в ходе освоения ООП, ДОП, учебных предметов и курсов внеурочной деятельности | - |
| К.М.03 | Здоровьесберегающий модуль | |
| К.М.03.01 | Возрастная анатомия и физиология | |
| К.М.04 | Психолого-педагогический модуль | |
| К.М.04.01 | Педагогика | |
| К.М.04.02 | Психология | |
| К.М.04.05(П) | Психолого-педагогическая практика | |
| К.М.09 | Педагогическая практика | |
| К.М.09.02(П) | Педагогическая практика. Основная школа | |
| К.М.09.03(П) | Педагогическая практика. Старшая школа | |
| К.М.10 | Государственная итоговая аттестация | |
| К.М.10.03(Д) | Выполнение и защита выпускной квалификационной работы | |
| ОПК-9 | Способен понимать принципы работы современных информационных технологий и использовать их для решения задач профессиональной деятельности | ОПК |
| ОПК-9.1 | Анализирует и представляет (описывает) принципы работы и требования к современным ИТ, ИС, СИИ, используемых в профессиональной деятельности (по профилю программы) в условиях цифровой экономики в РФ | - |
| ОПК-9.2 | Использует возможности современных ИТ, ИС, СИИ для решения типовых задач профессиональной деятельности (по профилю программы) | - |
| ОПК-9.3 | Демонстрирует владение способами работы с ИТ, ИС, СИИ при решении типовых профессиональной деятельности (по профилю программы) | - |
| К.М.02 | Коммуникативно-цифровой модуль | |
| К.М.02.04 | Информационные системы и цифровые сервисы в профессиональной деятельности | |
| К.М.02.05 | Системы искусственного интеллекта в профессиональной деятельности | |
| К.М.09 | Педагогическая практика | |
| К.М.09.01(У) | Ознакомительная практика | |
| К.М.09.02(П) | Педагогическая практика. Основная школа | |
| К.М.09.03(П) | Педагогическая практика. Старшая школа | |
| К.М.10 | Государственная итоговая аттестация | |
| К.М.10.01(Пд) | Преддипломная практика | |
| К.М.10.03(Д) | Выполнение и защита выпускной квалификационной работы | |
| Тип задач проф. деятельности: | педагогический | |
| ПК-1 | Способен осваивать и использовать теоретические знания и практические умения и навыки в предметной области по профилю "Биология" при решении профессиональных задач | ПК |
| ПК-1.1 | Знает структуру, состав и дидактические единицы предметной области Биология | - |
| ПК-1.2 | Умеет осуществлять отбор учебного содержания предметной области Биология для его реализации в различных формах обучения в соответствии с требованиями ФГОС ОО | - |
| ПК-1.3 | Демонстрирует навыки использования в профессиональной образовательной деятельности систематизированных теоретических и практических знаний биологических наук | - |
| К.М.07 | Предметно-методический модуль по профилю "Биология" | |
| К.М.07.01 | Предметная подготовка по профилю "Биология" | |
| К.М.07.01.01 | Цитология с основами гистологии и эмбриологии | |
| К.М.07.01.02 | Зоология | |
| К.М.07.01.03 | Ботаника с основами микробиологии и физиологии растений | |
| К.М.07.01.04 | Анатомия человека | |

| | | |
|-----------------|--|----|
| К.М.07.01.05 | Общая экология | |
| К.М.07.01.06 | Физиология человека и животных | |
| К.М.07.01.07 | Основы почвоведения и география почв | |
| К.М.07.01.08 | Биохимия | |
| К.М.07.01.09 | Экология растений и животных | |
| К.М.07.01.10 | Молекулярная биология и генетика | |
| К.М.07.01.11 | Теория эволюции | |
| К.М.07.01.12 | Эволюционная физиология | |
| К.М.07.01.13 | Биогеография | |
| К.М.07.02 | Методика обучения по профилю Биология | |
| К.М.07.03(У) | Технологическая практика. Практика по морфологии растений и зоологии беспозвоночных | |
| К.М.07.04(У) | Технологическая практика. Практика по систематике растений и зоологии позвоночных | |
| К.М.07.05(У) | Технологическая практика. Практика по почвоведению и географии почв | |
| К.М.07.06(У) | Технологическая практика. Комплексная практика по биологии | |
| К.М.07.07 | Физиология живых систем | |
| К.М.07.ДВ.01.01 | Основы декоративного цветоводства на пришкольном участке | |
| К.М.07.ДВ.01.02 | Этология с основами зоопсихологии | |
| К.М.09 | Педагогическая практика | |
| К.М.09.02(П) | Педагогическая практика. Основная школа | |
| К.М.09.03(П) | Педагогическая практика. Старшая школа | |
| К.М.10 | Государственная итоговая аттестация | |
| К.М.10.01(Пд) | Преддипломная практика | |
| К.М.10.02(Г) | Подготовка к сдаче и сдача государственного экзамена | |
| К.М.10.03(Д) | Выполнение и защита выпускной квалификационной работы | |
| ПК-2 | Способен осваивать и использовать теоретические знания и практические умения и навыки в предметной области по профилю "Химия" при решении профессиональных задач | ПК |
| ПК-2.1 | Знает структуру, состав и дидактические единицы предметной области Химия. | - |
| ПК-2.2 | Умеет осуществлять отбор учебного содержания предметной области Химия для его реализации в различных формах обучения в соответствии с требованиями ФГОС 00 | - |
| ПК-2.3 | Демонстрирует навыки использования в профессиональной образовательной деятельности систематизированных теоретических и практических знаний химических наук | - |
| К.М.08 | Предметно-методический модуль по профилю "Химия" | |
| К.М.08.01 | Предметная подготовка по профилю "Химия" | |
| К.М.08.01.01 | Основы стехиометрии и химического эксперимента | |
| К.М.08.01.02 | Общая и неорганическая химия | |
| К.М.08.01.03 | Органическая химия и основы супрамолекулярной химии | |
| К.М.08.01.04 | Физическая и коллоидная химия | |
| К.М.08.01.05 | Аналитическая химия | |
| К.М.08.01.06 | Основы минералогии и кристаллохимии | |
| К.М.08.01.07 | Прикладная химия и органический синтез | |
| К.М.08.01.08 | Химия высокомолекулярных соединений | |
| К.М.08.01.09 | Основы токсикологии | |

| | | |
|-----------------|--|----|
| К.М.08.01.10 | Химия переходных элементов | |
| К.М.08.01.11 | Химический эксперимент в школе | |
| К.М.08.02 | Методика обучения по профилю Химия | |
| К.М.08.03(У) | Технологическая практика. Кабинет химии | |
| К.М.08.04(У) | Технологическая практика. Комплексная практика по химии | |
| К.М.08.05 | Техногенные системы и экологический риск | |
| К.М.08.ДВ.01.01 | Химия биологически активных веществ | |
| К.М.08.ДВ.01.02 | Природные и синтетические антиоксиданты | |
| К.М.09 | Педагогическая практика | |
| К.М.09.02(П) | Педагогическая практика. Основная школа | |
| К.М.09.03(П) | Педагогическая практика. Старшая школа | |
| К.М.10 | Государственная итоговая аттестация | |
| К.М.10.01(Пд) | Преддипломная практика | |
| К.М.10.02(Г) | Подготовка к сдаче и сдача государственного экзамена | |
| К.М.10.03(Д) | Выполнение и защита выпускной квалификационной работы | |
| ПК-3 | Способен осуществлять целенаправленную воспитательную деятельность | ПК |
| ПК-3.1 | Демонстрирует умение постановки воспитательных целей, проектирования воспитательной деятельности и методов ее реализации в соответствии с требованиями ФГОС 00 и спецификой учебного предмета. | - |
| ПК-3.2 | Демонстрирует способы организации и оценки различных видов внеурочной деятельности ребенка (учебной, игровой, трудовой, спортивной, художественной и т.д.), методы и формы организации коллективных творческих дел, экскурсий, походов, экспедиций и других мероприятий (по выбору). | - |
| ПК-3.3 | Выбирает и демонстрирует способы оказания консультативной помощи родителям (законным представителям) обучающихся по вопросам воспитания, в том числе родителям детей с особыми образовательными потребностями. | - |
| К.М.05 | Воспитательная деятельность | |
| К.М.05.01 | Методика воспитательной работы и классное руководство | |
| К.М.05.02 | Организация культурно-досуговой деятельности школьников | |
| К.М.05.03(П) | Воспитательная работа. Классное руководство | |
| К.М.07 | Предметно-методический модуль по профилю "Биология" | |
| К.М.07.02 | Методика обучения по профилю Биология | |
| К.М.08 | Предметно-методический модуль по профилю "Химия" | |
| К.М.08.02 | Методика обучения по профилю Химия | |
| К.М.09 | Педагогическая практика | |
| К.М.09.02(П) | Педагогическая практика. Основная школа | |
| К.М.09.03(П) | Педагогическая практика. Старшая школа | |
| К.М.10 | Государственная итоговая аттестация | |
| К.М.10.01(Пд) | Преддипломная практика | |
| К.М.10.02(Г) | Подготовка к сдаче и сдача государственного экзамена | |
| К.М.10.03(Д) | Выполнение и защита выпускной квалификационной работы | |
| ПК-4 | Способен формировать развивающую образовательную среду для достижения личностных, предметных и метапредметных результатов обучения средствами преподаваемых учебных предметов. | ПК |
| ПК-4.1 | Владеет способами интеграции учебных предметов для организации развивающей учебной деятельности (исследовательской, проектной, групповой и др.). | - |
| ПК-4.2 | Использует образовательный потенциал социокультурной среды региона в преподавании (предмета по профилю) в учебной и во внеурочной деятельности. | - |

| | | |
|---------------|---|--|
| К.М.06 | Учебно-исследовательская и проектная деятельность школьников | |
| К.М.06.01 | Учебно-исследовательская и проектная деятельность школьников | |
| К.М.06.02 | Проектирование и организация учебно-исследовательской и проектной деятельности школьников | |
| К.М.06.03(У) | Проектно-технологическая практика. Учебно-исследовательская и проектная деятельность школьников | |
| К.М.06.04(П) | Технологическая (проектно-технологическая) практика. Учебно-исследовательская и проектная деятельность школьников | |
| К.М.07 | Предметно-методический модуль по профилю "Биология" | |
| К.М.07.02 | Методика обучения по профилю Биология | |
| К.М.07.06(У) | Технологическая практика. Комплексная практика по биологии | |
| К.М.08 | Предметно-методический модуль по профилю "Химия" | |
| К.М.08.02 | Методика обучения по профилю Химия | |
| К.М.08.04(У) | Технологическая практика. Комплексная практика по химии | |
| К.М.09 | Педагогическая практика | |
| К.М.09.02(П) | Педагогическая практика. Основная школа | |
| К.М.09.03(П) | Педагогическая практика. Старшая школа | |
| К.М.10 | Государственная итоговая аттестация | |
| К.М.10.01(Пд) | Преддипломная практика | |
| К.М.10.02(Г) | Подготовка к сдаче и сдача государственного экзамена | |
| К.М.10.03(Д) | Выполнение и защита выпускной квалификационной работы | |

| Индекс | Блок/ часть | Наименование | Каф | Формируемые компетенции |
|-----------------|-------------|--|-----|--|
| К.М | | Комплексные модули | | УК-1; УК-2; УК-3; УК-4; УК-5; УК-6; УК-7; УК-8; УК-9; УК-10; ОПК-1; ОПК-2; ОПК-3; ОПК-4; ОПК-5; ОПК-6; ОПК-7; ОПК-8; ОПК-9; ПК-1; ПК-2; ПК-3; ПК-4 |
| К.М.01 | К.М | Социально-гуманитарный модуль | | УК-1; УК-2; УК-3; УК-5; УК-9; УК-10 |
| К.М.01.01 | Б1.О | История России | 47 | УК-5 |
| К.М.01.02 | Б1.О | Философия | 47 | УК-1; УК-5 |
| К.М.01.03 | Б1.О | Финансово-экономический практикум | 51 | УК-9 |
| К.М.01.04 | Б1.О | Основы права и противодействия коррупции | 48 | УК-10 |
| К.М.01.05 | Б1.О | Организация проектной и волонтерской деятельности | 51 | УК-2; УК-3 |
| К.М.01.06 | Б1.О | Основы российской государственности | 47 | УК-5 |
| К.М.01.ДВ.01 | Б1.В | Дисциплины по выбору К.М.01.ДВ.1 | | |
| К.М.01.ДВ.01.01 | Б1.В | Дисциплина СГМ.1 | | |
| К.М.01.ДВ.01.02 | Б1.В | Дисциплина СГМ.2 | | |
| К.М.02 | К.М | Коммуникативно-цифровой модуль | | УК-1; УК-4; ОПК-9 |
| К.М.02.01 | Б1.О | Иностранный язык | 45 | УК-4 |
| К.М.02.02 | Б1.О | Русский язык и культура речи | 46 | УК-4 |
| К.М.02.03 | Б1.О | Основы системного анализа и математической обработки данных | 53 | УК-1 |
| К.М.02.04 | Б1.О | Информационные системы и цифровые сервисы в профессиональной деятельности | 53 | ОПК-9 |
| К.М.02.05 | Б1.О | Системы искусственного интеллекта в профессиональной деятельности | 53 | ОПК-9 |
| К.М.02.ДВ.01 | Б1.В | Дисциплины по выбору К.М.02.ДВ.1 | | |
| К.М.02.ДВ.01.01 | Б1.В | Дисциплина КЦМ.1 | | |
| К.М.02.ДВ.01.02 | Б1.В | Дисциплина КЦМ.2 | | |
| К.М.03 | К.М | Здоровьесберегающий модуль | | УК-7; УК-8; ОПК-8 |
| К.М.03.01 | Б1.О | Возрастная анатомия и физиология | 58 | ОПК-8 |
| К.М.03.02 | Б1.О | Физическая культура и спорт | 59 | УК-7 |
| К.М.03.03 | Б1.О | Безопасность жизнедеятельности | 58 | УК-8 |
| К.М.03.04 | Б1.О | Основы медицинских знаний | 58 | УК-8 |
| К.М.03.ДВ.01 | Б1.В | Элективные дисциплины по физической культуре и спорту (секции) по выбору К.М.03.ДВ.1 | 59 | УК-7 |
| К.М.03.ДВ.01.01 | Б1.В | Общая физическая подготовка | 59 | УК-7 |
| К.М.03.ДВ.01.02 | Б1.В | Легкая атлетика | 59 | УК-7 |
| К.М.03.ДВ.01.03 | Б1.В | Спортивные игры | 59 | УК-7 |
| К.М.03.ДВ.01.04 | Б1.В | Плавание | 59 | УК-7 |
| К.М.03.ДВ.02 | Б1.В | Дисциплины по выбору К.М.03.ДВ.2 | | |
| К.М.03.ДВ.02.01 | Б1.В | Дисциплина ЗСМ.1 | | |
| К.М.03.ДВ.02.02 | Б1.В | Дисциплина ЗСМ.2 | | |
| К.М.04 | К.М | Психолого-педагогический модуль | | УК-1; УК-6; ОПК-1; ОПК-3; ОПК-6; ОПК-8 |
| К.М.04.01 | Б1.О | Педагогика | 56 | УК-6; ОПК-1; ОПК-8 |
| К.М.04.02 | Б1.О | Психология | 56 | ОПК-6; ОПК-8 |
| К.М.04.03 | Б1.О | Методы исследования в деятельности педагога | 56 | УК-1; ОПК-6 |

| | | | | | |
|--------|--------------|------|---|----|---|
| | К.М.04.04 | Б1.О | Обучение лиц с ОВЗ и особыми образовательными потребностями | 55 | ОПК-3; ОПК-6 |
| | К.М.04.05(П) | Б2.О | Психолого-педагогическая практика | 56 | УК-1; ОПК-6; ОПК-8 |
| К.М.05 | | К.М | Воспитательная деятельность | | УК-3; ОПК-3; ОПК-4; ОПК-7; ПК-3 |
| | К.М.05.01 | Б1.О | Методика воспитательной работы и классное руководство | 54 | УК-3; ОПК-3; ОПК-4; ОПК-7; ПК-3 |
| | К.М.05.02 | Б1.О | Организация культурно-досуговой деятельности школьников | 54 | ОПК-4; ОПК-7; ПК-3 |
| | К.М.05.03(П) | Б2.О | Воспитательная работа. Классное руководство | 54 | УК-3; ОПК-3; ОПК-4; ОПК-7; ПК-3 |
| К.М.06 | | К.М | Учебно-исследовательская и проектная деятельность школьников | | УК-2; ОПК-3; ПК-4 |
| | К.М.06.01 | Б1.О | Учебно-исследовательская и проектная деятельность школьников | 58 | УК-2; ОПК-3; ПК-4 |
| | К.М.06.02 | Б1.О | Проектирование и организация учебно-исследовательской и проектной деятельности школьников | 58 | УК-2; ОПК-3; ПК-4 |
| | К.М.06.03(У) | Б2.О | Проектно-технологическая практика. Учебно-исследовательская и проектная деятельность школьников | 58 | УК-2; ОПК-3; ПК-4 |
| | К.М.06.04(П) | Б2.О | Технологическая (проектно-технологическая) практика. Учебно-исследовательская и проектная деятельность школьников | 58 | УК-2; ОПК-3; ПК-4 |
| К.М.07 | | К.М | Предметно-методический модуль по профилю "Биология" | | ОПК-1; ОПК-2; ОПК-3; ОПК-5; ОПК-6; ПК-1; ПК-3; ПК-4 |
| | К.М.07.01 | Б1.О | Предметная подготовка по профилю "Биология" | | ПК-1 |
| | К.М.07.01.01 | Б1.О | Цитология с основами гистологии и эмбриологии | 58 | ПК-1 |
| | К.М.07.01.02 | Б1.О | Зоология | 58 | ПК-1 |
| | К.М.07.01.03 | Б1.О | Ботаника с основами микробиологии и физиологии растений | 58 | ПК-1 |
| | К.М.07.01.04 | Б1.О | Анатомия человека | 58 | ПК-1 |
| | К.М.07.01.05 | Б1.О | Общая экология | 58 | ПК-1 |
| | К.М.07.01.06 | Б1.О | Физиология человека и животных | 58 | ПК-1 |
| | К.М.07.01.07 | Б1.О | Основы почвоведения и география почв | 58 | ПК-1 |
| | К.М.07.01.08 | Б1.О | Биохимия | 58 | ПК-1 |
| | К.М.07.01.09 | Б1.О | Экология растений и животных | 58 | ПК-1 |
| | К.М.07.01.10 | Б1.О | Молекулярная биология и генетика | 58 | ПК-1 |
| | К.М.07.01.11 | Б1.О | Теория эволюции | 58 | ПК-1 |
| | К.М.07.01.12 | Б1.О | Эволюционная физиология | 58 | ПК-1 |
| | К.М.07.01.13 | Б1.О | Биогеография | 58 | ПК-1 |
| | К.М.07.02 | Б1.О | Методика обучения по профилю Биология | 58 | ОПК-1; ОПК-2; ОПК-3; ОПК-5; ОПК-6; ПК-1; ПК-3; ПК-4 |
| | К.М.07.03(У) | Б2.В | Технологическая практика. Практика по морфологии растений и зоологии беспозвоночных | 58 | ПК-1 |
| | К.М.07.04(У) | Б2.В | Технологическая практика. Практика по систематике растений и зоологии позвоночных | 58 | ПК-1 |
| | К.М.07.05(У) | Б2.В | Технологическая практика. Практика по почвоведению и географии почв | 58 | ПК-1 |
| | К.М.07.06(У) | Б2.В | Технологическая практика. Комплексная практика по биологии | 58 | ПК-1; ПК-4 |
| | К.М.07.07 | ФТД | Физиология живых систем | 58 | ПК-1 |
| | К.М.07.ДВ.01 | Б1.В | Дисциплины по выбору К.М.07.ДВ.1 | | ПК-1 |

| | | | | | |
|--------|-----------------|------|--|----|--|
| | К.М.07.ДВ.01.01 | Б1.В | Основы декоративного цветоводства на пришкольном участке | 58 | ПК-1 |
| | К.М.07.ДВ.01.02 | Б1.В | Этология с основами зоопсихологии | 58 | ПК-1 |
| К.М.08 | | К.М | Предметно-методический модуль по профилю "Химия" | | ОПК-1; ОПК-2; ОПК-3; ОПК-5; ОПК-6; ПК-2; ПК-3; ПК-4 |
| | К.М.08.01 | Б1.О | Предметная подготовка по профилю "Химия" | | ПК-2 |
| | К.М.08.01.01 | Б1.О | Основы стехиометрии и химического эксперимента | 58 | ПК-2 |
| | К.М.08.01.02 | Б1.О | Общая и неорганическая химия | 58 | ПК-2 |
| | К.М.08.01.03 | Б1.О | Органическая химия и основы супрамолекулярной химии | 58 | ПК-2 |
| | К.М.08.01.04 | Б1.О | Физическая и коллоидная химия | 58 | ПК-2 |
| | К.М.08.01.05 | Б1.О | Аналитическая химия | 58 | ПК-2 |
| | К.М.08.01.06 | Б1.О | Основы минералогии и кристаллохимии | 57 | ПК-2 |
| | К.М.08.01.07 | Б1.О | Прикладная химия и органический синтез | 58 | ПК-2 |
| | К.М.08.01.08 | Б1.О | Химия высокомолекулярных соединений | 58 | ПК-2 |
| | К.М.08.01.09 | Б1.О | Основы токсикологии | 58 | ПК-2 |
| | К.М.08.01.10 | Б1.О | Химия переходных элементов | 58 | ПК-2 |
| | К.М.08.01.11 | Б1.О | Химический эксперимент в школе | 58 | ПК-2 |
| | К.М.08.02 | Б1.О | Методика обучения по профилю Химия | 58 | ОПК-1; ОПК-2; ОПК-3; ОПК-5; ОПК-6; ПК-2; ПК-3; ПК-4 |
| | К.М.08.03(У) | Б2.В | Технологическая практика. Кабинет химии | 58 | ПК-2 |
| | К.М.08.04(У) | Б2.В | Технологическая практика. Комплексная практика по химии | 58 | ПК-2; ПК-4 |
| | К.М.08.05 | ФТД | Техногенные системы и экологический риск | 58 | ПК-2 |
| | К.М.08.ДВ.01 | Б1.В | Дисциплины по выбору К.М.08.ДВ.1 | | ПК-2 |
| | К.М.08.ДВ.01.01 | Б1.В | Химия биологически активных веществ | 58 | ПК-2 |
| | К.М.08.ДВ.01.02 | Б1.В | Природные и синтетические антиоксиданты | 58 | ПК-2 |
| К.М.09 | | К.М | Педагогическая практика | | ОПК-1; ОПК-2; ОПК-3; ОПК-4; ОПК-5; ОПК-6; ОПК-7; ОПК-8; ОПК-9; ПК-1; ПК-2; ПК-3; ПК-4 |
| | К.М.09.01(У) | Б2.О | Ознакомительная практика | 58 | ОПК-1; ОПК-9 |
| | К.М.09.02(П) | Б2.О | Педагогическая практика. Основная школа | 58 | ОПК-1; ОПК-2; ОПК-3; ОПК-4; ОПК-5; ОПК-6; ОПК-7; ОПК-8; ОПК-9; ПК-1; ПК-2; ПК-3; ПК-4 |
| | К.М.09.03(П) | Б2.О | Педагогическая практика. Старшая школа | 58 | ОПК-1; ОПК-2; ОПК-3; ОПК-4; ОПК-5; ОПК-6; ОПК-7; ОПК-8; ОПК-9; ПК-1; ПК-2; ПК-3; ПК-4 |
| К.М.10 | | К.М | Государственная итоговая аттестация | | УК-1; УК-2; УК-3; УК-4; УК-5; УК-6; УК-7; УК-8; УК-9; УК-10; ОПК-1; ОПК-2; ОПК-3; ОПК-4; ОПК-5; ОПК-6; ОПК-7; ОПК-8; ОПК-9; ПК-1; ПК-2; ПК-3; ПК-4 |
| | К.М.10.01(Пд) | Б2.О | Преддипломная практика | 58 | УК-1; УК-2; ОПК-2; ОПК-9; ПК-1; ПК-2; ПК-3; ПК-4 |
| | К.М.10.02(Г) | Б3 | Подготовка к сдаче и сдача государственного экзамена | 58 | ОПК-1; ОПК-2; ОПК-3; ОПК-5; ОПК-6; ПК-1; ПК-2; ПК-3; ПК-4 |
| | К.М.10.03(Д) | Б3 | Выполнение и защита выпускной квалификационной работы | 58 | УК-1; УК-2; УК-3; УК-4; УК-5; УК-6; УК-7; УК-8; УК-9; УК-10; ОПК-1; ОПК-2; ОПК-4; ОПК-5; ОПК-6; ОПК-7; ОПК-8; ОПК-9; ПК-1; ПК-2; ПК-3; ПК-4 |
| Б1 | | | Дисциплины (модули) | | УК-1; УК-2; УК-3; УК-4; УК-5; УК-6; УК-7; УК-8; УК-9; УК-10; ОПК-1; ОПК-2; ОПК-3; ОПК-4; ОПК-5; ОПК-6; ОПК-7; ОПК-8; ОПК-9; ПК-1; ПК-2; ПК-3; ПК-4 |
| | Б1.О | | Обязательная часть | | УК-1; УК-2; УК-3; УК-4; УК-5; УК-6; УК-7; УК-8; УК-9; УК-10; ОПК-1; ОПК-2; ОПК-3; ОПК-4; ОПК-5; ОПК-6; ОПК-7; ОПК-8; ОПК-9; ПК-1; ПК-2; ПК-3; ПК-4 |
| | Б1.В | | Часть, формируемая участниками образовательных отношений | | УК-7; ПК-1; ПК-2 |
| Б2 | | | Практика | | УК-1; УК-2; УК-3; ОПК-1; ОПК-2; ОПК-3; ОПК-4; ОПК-5; ОПК-6; ОПК-7; ОПК-8; ОПК-9; ПК-1; ПК-2; ПК-3; ПК-4 |
| | Б2.О | | Обязательная часть | | УК-1; УК-2; УК-3; ОПК-1; ОПК-2; ОПК-3; ОПК-4; ОПК-5; ОПК-6; ОПК-7; ОПК-8; ОПК-9; ПК-1; ПК-2; ПК-3; ПК-4 |
| | Б2.В | | Часть, формируемая участниками образовательных отношений | | ПК-1; ПК-2; ПК-4 |

| | | | |
|-----|--|-------------------------------------|--|
| БЗ | | Государственная итоговая аттестация | УК-1; УК-2; УК-3; УК-4; УК-5; УК-6; УК-7; УК-8; УК-9; УК-10; ОПК-1; ОПК-2; ОПК-3; ОПК-4; ОПК-5; ОПК-6; ОПК-7; ОПК-8; ОПК-9; ПК-1; ПК-2; ПК-3; ПК-4 |
| ФТД | | Факультативы | ПК-1; ПК-2 |

| № | Индекс | Наименование | Блок/ часть | Контроль | Семестр 3 | | | | | | | | | | Неделя | Контроль | Семестр 4 | | | | | | | | | | Неделя | Контроль | Итого за курс | | | | | | | | | | Неделя | Каф. | Семестр | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|-------|--------------|--------------|----------------|----------|---------------------|------|----|--------------|-------|--------------|-----|-----|------|----------|--------|----------|---------------------|----|--------------|-------|--------------|-----|-----|----|------|----------|--------|----------|---------------------|--------------|-------|--------------|-----|-----|----|-----|------|----------|--------|------|--------------|-------|--------------|-----|-----|----|-----|------|----|--------------|-------|--------------|-----|-----|----|-----|------|----|--------------|-------|--------------|-----|-----|----|-----|------|----|--------------|-------|--------------|-----|-----|----|-----|------|----|--------------|-------|--------------|-----|-----|----|-----|------|----|--------------|-------|--------------|-----|-----|----|-----|------|----|--------------|-------|--------------|-----|-----|----|-----|------|----|--------------|-------|--------------|-----|-----|----|-----|------|----|--------------|-------|--------------|-----|-----|----|-----|------|----|--------------|-------|--------------|-----|-----|----|-----|------|----|--------------|-------|--------------|-----|-----|----|-----|------|----|--------------|-------|--------------|-----|-----|----|-----|------|----|--------------|-------|--------------|-----|-----|----|-----|------|----|--------------|-------|--------------|-----|-----|----|-----|------|----|--------------|-------|--------------|-----|-----|----|-----|------|----|--------------|-------|--------------|-----|-----|----|-----|------|----|--------------|-------|--------------|-----|-----|----|-----|------|----|--------------|-------|--------------|-----|-----|----|-----|------|----|--------------|-------|--------------|-----|-----|----|-----|------|----|--------------|-------|--------------|-----|-----|----|-----|------|----|--------------|-------|--------------|-----|-----|----|-----|------|----|--------------|-------|--------------|-----|-----|----|-----|------|----|--------------|-------|--------------|-----|-----|----|-----|------|----|--------------|-------|--------------|-----|-----|----|-----|------|----|--------------|-------|--------------|-----|-----|----|-----|------|----|--------------|-------|--------------|-----|-----|----|-----|------|----|--------------|-------|--------------|-----|-----|----|-----|------|----|--------------|-------|--------------|-----|-----|----|-----|------|----|--------------|-------|--------------|-----|-----|----|-----|------|----|--------------|-------|--------------|-----|-----|----|-----|------|----|--------------|-------|--------------|-----|-----|----|-----|------|----|--------------|-------|--------------|-----|-----|----|-----|------|----|--------------|-------|--------------|-----|-----|----|-----|------|----|--------------|-------|--------------|-----|-----|----|-----|------|----|--------------|-------|--------------|-----|-----|----|-----|------|----|--------------|-------|--------------|-----|-----|----|-----|------|----|--------------|-------|--------------|-----|-----|----|-----|------|----|--------------|-------|--------------|-----|-----|----|-----|------|----|--------------|-------|--------------|-----|-----|----|-----|------|----|--------------|-------|--------------|-----|-----|----|-----|------|----|--------------|-------|--------------|-----|-----|----|-----|------|----|--------------|-------|--------------|-----|-----|----|-----|------|----|--------------|-------|--------------|-----|-----|----|-----|------|----|--------------|-------|--------------|-----|-----|----|-----|------|----|--------------|-------|--------------|-----|-----|----|-----|------|----|--------------|-------|--------------|-----|-----|----|-----|------|----|--------------|-------|--------------|-----|-----|----|-----|------|----|--------------|-------|--------------|-----|-----|----|-----|------|----|--------------|-------|--------------|-----|-----|----|-----|------|----|--------------|-------|--------------|-----|-----|----|-----|------|----|--------------|-------|--------------|-----|-----|----|-----|------|----|--------------|-------|--------------|-----|-----|----|-----|------|----|--------------|-------|--------------|-----|-----|----|-----|------|----|--------------|-------|--------------|-----|-----|----|-----|------|----|--------------|-------|--------------|-----|-----|----|-----|------|----|--------------|-------|--------------|-----|-----|----|-----|------|----|--------------|-------|--------------|-----|-----|----|-----|------|----|--------------|-------|--------------|-----|-----|----|-----|------|----|--------------|-------|--------------|-----|-----|----|-----|------|----|--------------|-------|--------------|-----|-----|----|-----|------|----|--------------|-------|--------------|-----|-----|----|-----|------|----|--------------|-------|--------------|-----|-----|----|-----|------|----|--------------|-------|--------------|-----|-----|----|-----|------|----|--------------|-------|--------------|-----|-----|----|-----|------|----|--------------|-------|--------------|-----|-----|----|-----|------|----|--------------|-------|--------------|-----|-----|----|-----|------|----|--------------|-------|--------------|-----|-----|----|-----|------|----|--------------|-------|--------------|-----|-----|----|-----|------|----|--------------|-------|--------------|-----|-----|----|-----|------|----|--------------|-------|--------------|-----|-----|----|-----|------|----|--------------|-------|--------------|-----|-----|----|-----|------|----|--------------|-------|--------------|-----|-----|----|-----|------|----|--------------|-------|--------------|-----|-----|----|-----|------|----|--------------|-------|--------------|-----|-----|----|-----|------|----|--------------|-------|--------------|-----|-----|----|-----|------|----|--------------|-------|--------------|-----|-----|----|-----|------|----|--------------|-------|--------------|-----|-----|----|-----|------|----|--------------|-------|--------------|-----|-----|----|-----|------|----|--------------|-------|--------------|-----|-----|----|-----|------|----|--------------|-------|--------------|-----|-----|----|-----|------|----|--------------|-------|--------------|-----|-----|----|-----|------|----|--------------|-------|--------------|-----|-----|----|-----|------|----|--------------|-------|--------------|-----|-----|----|-----|------|----|--------------|-------|--------------|-----|-----|----|-----|------|----|--------------|-------|--------------|-----|-----|----|-----|------|----|
| | | | | | Академических часов | | | | | | | | з.е. | Контроль | | | Академических часов | | | | | | | | з.е. | Контроль | | | Академических часов | | | | | | | | з.е. | Контроль | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| Всего | Кон такт. | Лек | Лаб | Пр | КРП | Конс | СР | Контр оль | Всего | Кон такт. | Лек | Лаб | | | Пр | КРП | Конс | СР | Контр оль | Всего | Кон такт. | Лек | Лаб | Пр | | | КРП | Конс | СР | Контр оль | Всего | Кон такт. | Лек | Лаб | Пр | КРП | | | Конс | СР | Контр оль | Всего | Кон такт. | Лек | Лаб | Пр | КРП | Конс | СР | Контр оль | Всего | Кон такт. | Лек | Лаб | Пр | КРП | Конс | СР | Контр оль | Всего | Кон такт. | Лек | Лаб | Пр | КРП | Конс | СР | Контр оль | Всего | Кон такт. | Лек | Лаб | Пр | КРП | Конс | СР | Контр оль | Всего | Кон такт. | Лек | Лаб | Пр | КРП | Конс | СР | Контр оль | Всего | Кон такт. | Лек | Лаб | Пр | КРП | Конс | СР | Контр оль | Всего | Кон такт. | Лек | Лаб | Пр | КРП | Конс | СР | Контр оль | Всего | Кон такт. | Лек | Лаб | Пр | КРП | Конс | СР | Контр оль | Всего | Кон такт. | Лек | Лаб | Пр | КРП | Конс | СР | Контр оль | Всего | Кон такт. | Лек | Лаб | Пр | КРП | Конс | СР | Контр оль | Всего | Кон такт. | Лек | Лаб | Пр | КРП | Конс | СР | Контр оль | Всего | Кон такт. | Лек | Лаб | Пр | КРП | Конс | СР | Контр оль | Всего | Кон такт. | Лек | Лаб | Пр | КРП | Конс | СР | Контр оль | Всего | Кон такт. | Лек | Лаб | Пр | КРП | Конс | СР | Контр оль | Всего | Кон такт. | Лек | Лаб | Пр | КРП | Конс | СР | Контр оль | Всего | Кон такт. | Лек | Лаб | Пр | КРП | Конс | СР | Контр оль | Всего | Кон такт. | Лек | Лаб | Пр | КРП | Конс | СР | Контр оль | Всего | Кон такт. | Лек | Лаб | Пр | КРП | Конс | СР | Контр оль | Всего | Кон такт. | Лек | Лаб | Пр | КРП | Конс | СР | Контр оль | Всего | Кон такт. | Лек | Лаб | Пр | КРП | Конс | СР | Контр оль | Всего | Кон такт. | Лек | Лаб | Пр | КРП | Конс | СР | Контр оль | Всего | Кон такт. | Лек | Лаб | Пр | КРП | Конс | СР | Контр оль | Всего | Кон такт. | Лек | Лаб | Пр | КРП | Конс | СР | Контр оль | Всего | Кон такт. | Лек | Лаб | Пр | КРП | Конс | СР | Контр оль | Всего | Кон такт. | Лек | Лаб | Пр | КРП | Конс | СР | Контр оль | Всего | Кон такт. | Лек | Лаб | Пр | КРП | Конс | СР | Контр оль | Всего | Кон такт. | Лек | Лаб | Пр | КРП | Конс | СР | Контр оль | Всего | Кон такт. | Лек | Лаб | Пр | КРП | Конс | СР | Контр оль | Всего | Кон такт. | Лек | Лаб | Пр | КРП | Конс | СР | Контр оль | Всего | Кон такт. | Лек | Лаб | Пр | КРП | Конс | СР | Контр оль | Всего | Кон такт. | Лек | Лаб | Пр | КРП | Конс | СР | Контр оль | Всего | Кон такт. | Лек | Лаб | Пр | КРП | Конс | СР | Контр оль | Всего | Кон такт. | Лек | Лаб | Пр | КРП | Конс | СР | Контр оль | Всего | Кон такт. | Лек | Лаб | Пр | КРП | Конс | СР | Контр оль | Всего | Кон такт. | Лек | Лаб | Пр | КРП | Конс | СР | Контр оль | Всего | Кон такт. | Лек | Лаб | Пр | КРП | Конс | СР | Контр оль | Всего | Кон такт. | Лек | Лаб | Пр | КРП | Конс | СР | Контр оль | Всего | Кон такт. | Лек | Лаб | Пр | КРП | Конс | СР | Контр оль | Всего | Кон такт. | Лек | Лаб | Пр | КРП | Конс | СР | Контр оль | Всего | Кон такт. | Лек | Лаб | Пр | КРП | Конс | СР | Контр оль | Всего | Кон такт. | Лек | Лаб | Пр | КРП | Конс | СР | Контр оль | Всего | Кон такт. | Лек | Лаб | Пр | КРП | Конс | СР | Контр оль | Всего | Кон такт. | Лек | Лаб | Пр | КРП | Конс | СР | Контр оль | Всего | Кон такт. | Лек | Лаб | Пр | КРП | Конс | СР | Контр оль | Всего | Кон такт. | Лек | Лаб | Пр | КРП | Конс | СР | Контр оль | Всего | Кон такт. | Лек | Лаб | Пр | КРП | Конс | СР | Контр оль | Всего | Кон такт. | Лек | Лаб | Пр | КРП | Конс | СР | Контр оль | Всего | Кон такт. | Лек | Лаб | Пр | КРП | Конс | СР | Контр оль | Всего | Кон такт. | Лек | Лаб | Пр | КРП | Конс | СР | Контр оль | Всего | Кон такт. | Лек | Лаб | Пр | КРП | Конс | СР | Контр оль | Всего | Кон такт. | Лек | Лаб | Пр | КРП | Конс | СР | Контр оль | Всего | Кон такт. | Лек | Лаб | Пр | КРП | Конс | СР | Контр оль | Всего | Кон такт. | Лек | Лаб | Пр | КРП | Конс | СР | Контр оль | Всего | Кон такт. | Лек | Лаб | Пр | КРП | Конс | СР | Контр оль | Всего | Кон такт. | Лек | Лаб | Пр | КРП | Конс | СР | Контр оль | Всего | Кон такт. | Лек | Лаб | Пр | КРП | Конс | СР | Контр оль | Всего | Кон такт. | Лек | Лаб | Пр | КРП | Конс | СР | Контр оль | Всего | Кон такт. | Лек | Лаб | Пр | КРП | Конс | СР | Контр оль | Всего | Кон такт. | Лек | Лаб | Пр | КРП | Конс | СР | Контр оль | Всего | Кон такт. | Лек | Лаб | Пр | КРП | Конс | СР | Контр оль | Всего | Кон такт. | Лек | Лаб | Пр | КРП | Конс | СР | Контр оль | Всего | Кон такт. | Лек | Лаб | Пр | КРП | Конс | СР | Контр оль | Всего | Кон такт. | Лек | Лаб | Пр | КРП | Конс | СР | Контр оль | Всего | Кон такт. | Лек | Лаб | Пр | КРП | Конс | СР | Контр оль | Всего | Кон такт. | Лек | Лаб | Пр | КРП | Конс | СР | Контр оль | Всего | Кон такт. | Лек | Лаб | Пр | КРП | Конс | СР | Контр оль | Всего | Кон такт. | Лек | Лаб | Пр | КРП | Конс | СР | Контр оль | Всего | Кон такт. | Лек | Лаб | Пр | КРП | Конс | СР | Контр оль | Всего | Кон такт. | Лек | Лаб | Пр | КРП | Конс | СР | Контр оль | Всего | Кон такт. | Лек | Лаб | Пр | КРП | Конс | СР | Контр оль | Всего | Кон такт. | Лек | Лаб | Пр | КРП | Конс | СР | Контр оль | Всего | Кон такт. | Лек | Лаб | Пр | КРП | Конс | СР | Контр оль | Всего | Кон такт. | Лек | Лаб | Пр | КРП | Конс | СР | Контр оль | Всего | Кон такт. | Лек | Лаб | Пр | КРП | Конс | СР | Контр оль | Всего | Кон такт. | Лек | Лаб | Пр | КРП | Конс | СР | Контр оль | Всего | Кон такт. | Лек | Лаб | Пр | КРП | Конс | СР | Контр оль | Всего | Кон такт. | Лек | Лаб | Пр | КРП | Конс | СР | Контр оль | Всего | Кон такт. | Лек | Лаб | Пр | КРП | Конс | СР | Контр оль | Всего | Кон такт. | Лек | Лаб | Пр | КРП | Конс | СР | Контр оль | Всего | Кон такт. | Лек | Лаб | Пр | КРП | Конс | СР | Контр оль | Всего | Кон такт. | Лек | Лаб | Пр | КРП | Конс | СР | Контр оль | Всего | Кон такт. | Лек | Лаб | Пр | КРП | Конс | СР | Контр оль | Всего | Кон такт. | Лек | Лаб | Пр | КРП | Конс | СР | Контр оль | Всего | Кон такт. | Лек | Лаб | Пр | КРП | Конс | СР | Контр оль | Всего | Кон такт. | Лек | Лаб | Пр | КРП | Конс | СР |

| № | Индекс | Наименование | Блок/ часть | Семестр 5 | | | | | | | | | | | | | Семестр 6 | | | | | | | | | | | | | Итого за курс | | | | | | | | | | | | | Каф. | Семестр | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|--------------------------|--------|--------------|----------------|-----------|---------------------|--------------|-----|-----|----|-----|------|----|------|--------|----------|---------------------|-----------|--------------|-----|-----|----|-----|------|------|--------|----------|---------------------|--------------|-------|---------------|-----|-----|----|-----|------|--------|------|----|--------------|-------|--------------|-----|------|---------|-----|----|-----|------|----|--------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|
| | | | | Контроль | Академических часов | | | | | | | | з.е. | Неделя | Контроль | Академических часов | | | | | | | | з.е. | Неделя | Контроль | Академических часов | | | | | | | | з.е. | Неделя | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | Всего | Кон такт. | Лек | Лаб | Пр | КРП | Конс | СР | | | | Контр оль | Всего | Кон такт. | Лек | Лаб | Пр | КРП | Конс | | | | СР | Контр оль | Всего | Кон такт. | Лек | Лаб | Пр | КРП | | | Конс | СР | Контр оль | Всего | Кон такт. | Лек | | | Лаб | Пр | КРП | Конс | СР | Контр оль | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| ИТОГО (с факультативами) | | | | | 1062 | | | | | | | | 28 | | | | 1210 | | | | | | | | | 32 | | | | 2272 | | | | | | | | 60 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |

| № | Индекс | Наименование | Блок/ часть | Семестр 7 | | | | | | | | | | | | | Семестр 8 | | | | | | | | | | | | | Итого за курс | | | | | | | | | | | | | Каф. | Семестр |
|---|--|---|----------------|--------------------|---------------------|--------------|-----|-----|-----|-----|------|---------------------------|------|--------|----------|---------------------|--------------------|--------------|-----|-----|-----|---------------------------|------|------|--------|-----------|---------------------|--------------------------|-----------------------|---------------|-----|-----------------------|----|-----|------|--------|------|-------|--------------|------------|------------|-------|------|---------|
| | | | | Контроль | Академических часов | | | | | | | | з.е. | Неделя | Контроль | Академических часов | | | | | | | | з.е. | Неделя | Контроль | Академических часов | | | | | | | | з.е. | Неделя | | | | | | | | |
| | | | | | Всего | Кон такт. | Лек | Лаб | Пр | КРП | Конс | СР | | | | Контр оль | Всего | Кон такт. | Лек | Лаб | Пр | КРП | Конс | | | | СР | Контр оль | Всего | Кон такт. | Лек | Лаб | Пр | КРП | | | Конс | СР | Контр оль | Всего | | | | |
| ИТОГО (с факультативами) | | | | | 1116 | | | | | | | | 31 | 19 3/6 | | 1188 | | | | | | | | 33 | 22 | | 2304 | | | | | | | | 64 | 41 3/6 | | | | | | | | |
| ИТОГО по ОП (без факультативов) | | | | | 1044 | | | | | | | | 29 | | | 1116 | | | | | | | | 31 | | | 2160 | | | | | | | | 60 | | | | | | | | | |
| УЧЕБНАЯ НАГРУЗКА, (акад.час/нед) | ОП, факультативы (в период ТО) | | | 57,9 | | | | | | | | ТО: 16 1/6 3: 1 1/3 | | 54 | | | | | | | | ТО: 13 1/3 3: 2 1/3 | | 56 | | | | | | | | ТО: 29 1/2 3: 2 | | | | | | | | | | | | |
| | ОП, факультативы (в период экз. сес.) | | | 54 | | | | | | | | | | 54 | | | | | | | | | | 54 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | Ауд. нагр. (ОП - элект. курсы по физ.к.) | | | 18,8 | | | | | | | | | | 21,9 | | | | | | | | | | 20,4 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | Конт. раб. (ОП - элект. курсы по физ.к.) | | | 19,3 | | | | | | | | | | 21,9 | | | | | | | | | | 20,6 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | Ауд. нагр. (элект. курсы по физ.к.) | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| ДИСЦИПЛИНЫ (МОДУЛИ) И РАССРЕД. ПРАКТИКИ | | | | | 1008 | 347 | 136 | 82 | 118 | 3 | 8 | 589 | 72 | 28 | | 756 | 313 | 132 | 96 | 82 | 3 | | 407 | 36 | 21 | | 1764 | 660 | 268 | 178 | 200 | 6 | 8 | 996 | 108 | 49 | | | | | | | | |
| 1 | К.М.04 | Психолого-педагогический модуль | К.М | За | 72 | 28 | 14 | | 14 | | | | 44 | 2 | | | | | | | | | | | | За | 72 | 28 | 14 | | 14 | | | 44 | 2 | | | 23457 | | | | | | |
| 2 | К.М.04.04 | Обучение лиц с ОВЗ и особыми образовательными потребностями | Б1.О | За | 72 | 28 | 14 | | 14 | | | | 44 | 2 | | | | | | | | | | | | За | 72 | 28 | 14 | | 14 | | | 44 | 2 | | 55 | 7 | | | | | | |
| 3 | К.М.06 | Учебно-исследовательская и проектная деятельность школьников | К.М | ЗаО(2) КР | 252 | 13 | | | 2 | 3 | 8 | 239 | | 7 | | | | | | | | | | | | ЗаО(2) КР | 252 | 13 | | | 2 | 3 | 8 | 239 | | 7 | | 67 | | | | | | |
| 4 | К.М.06.02 | Проектирование и организация учебно-исследовательской и проектной деятельности школьников | Б1.О | ЗаО КР | 36 | 7 | | | 2 | 3 | 2 | 29 | | 1 | | | | | | | | | | | | ЗаО КР | 36 | 7 | | | 2 | 3 | 2 | 29 | | 1 | | 58 | 7 | | | | | |
| 5 | К.М.06.04(П) | Технологическая (проектно-технологическая) практика. Учебно-исследовательская и проектная деятельность школьников | Б2.О | ЗаО | 216 | 6 | | | | | | 6 | 210 | 6 | | | | | | | | | | | | ЗаО | 216 | 6 | | | | | 6 | 210 | | 6 | | 58 | 7 | | | | | |
| 6 | К.М.07 | Предметно-методический модуль по профилю "Биология" | К.М | Эк За(2) ЗаО | 360 | 168 | 66 | 26 | 76 | | | 156 | 36 | 10 | | За ЗаО(4) | 468 | 252 | 74 | 56 | 118 | | | 4 | 216 | | 13 | | Эк За(3) ЗаО(5) | 828 | 420 | 140 | 82 | 194 | | 4 | 372 | 36 | 23 | | 123456789А | | | |
| 7 | К.М.07.01 | Предметная подготовка по профилю "Биология" | Б1.О | За(2) | 144 | 86 | 36 | 26 | 24 | | | 58 | | 4 | | За ЗаО(3) | 360 | 180 | 74 | 56 | 50 | | | 180 | | 10 | | За(3) ЗаО(3) | 504 | 266 | 110 | 82 | 74 | | | 238 | | 14 | | 123456789А | | | | |
| 8 | К.М.07.01.08 | Биохимия | Б1.О | За | 72 | 44 | 18 | 26 | | | | 28 | | 2 | | ЗаО | 108 | 40 | 16 | 24 | | | | 68 | | 3 | | ЗаО | 180 | 84 | 34 | 50 | | | 96 | | 5 | | 58 | 78 | | | | |
| 9 | К.М.07.01.09 | Экология растений и животных | Б1.О | За | 72 | 42 | 18 | | 24 | | | 30 | | 2 | | ЗаО | 72 | 42 | 18 | | 24 | | | 30 | | 2 | | ЗаО | 144 | 84 | 36 | | 48 | | 60 | | 4 | | 58 | 78 | | | | |
| 10 | К.М.07.01.10 | Молекулярная биология и генетика | Б1.О | | | | | | | | | | | | | ЗаО | 108 | 54 | 22 | 32 | | | | 54 | | 3 | | ЗаО | 108 | 54 | 22 | 32 | | | 54 | | 3 | | 58 | 89 | | | | |
| 11 | К.М.07.01.13 | Биогеография | Б1.О | | | | | | | | | | | | | За | 72 | 44 | 18 | | 26 | | | 28 | | 2 | | За | 72 | 44 | 18 | | 26 | | | 28 | | 2 | | 58 | 8 | | | |
| 12 | К.М.07.02 | Методика обучения по профилю Биология | Б1.О | Эк | 144 | 46 | 18 | | 28 | | | 62 | 36 | 4 | | | | | | | | | | | | | Эк | 144 | 46 | 18 | | 28 | | | 62 | 36 | 4 | | 58 | 567 | | | | |
| 13 | К.М.07.07 | Физиология живых систем | ФТД | ЗаО | 72 | 36 | 12 | | 24 | | | 36 | | 2 | | | | | | | | | | | | ЗаО | 72 | 36 | 12 | | 24 | | | 36 | | 2 | | 58 | 7 | | | | | |
| 14 | К.М.08 | Предметно-методический модуль по профилю "Химия" | К.М | Эк За(2) ЗаО(2) КР | 432 | 178 | 56 | 56 | 62 | | | 4 | 218 | 36 | 12 | | Эк За(2) ЗаО(2) КР | 396 | 133 | 58 | 40 | 32 | 3 | | 227 | 36 | 11 | | Эк(2) За(4) ЗаО(2) КР | 828 | 311 | 114 | 96 | 94 | 3 | 4 | 445 | 72 | 23 | | 123456789А | | | |
| 15 | К.М.08.01 | Предметная подготовка по профилю "Химия" | Б1.О | Эк За | 252 | 96 | 40 | 56 | | | | 120 | 36 | 7 | | За ЗаО | 180 | 72 | 32 | 40 | | | | 108 | | 5 | | Эк За(2) ЗаО | 432 | 168 | 72 | 96 | | | 228 | 36 | 12 | | 123456789А | | | | | |
| 16 | К.М.08.01.05 | Аналитическая химия | Б1.О | Эк | 144 | 48 | 20 | 28 | | | | 60 | 36 | 4 | | | | | | | | | | | | | Эк | 144 | 48 | 20 | 28 | | | 60 | 36 | 4 | | 58 | 7 | | | | | |
| 17 | К.М.08.01.06 | Основы минералогии и кристаллохимии | Б1.О | | | | | | | | | | | | | За | 72 | 36 | 16 | 20 | | | | 36 | | 2 | | За | 72 | 36 | 16 | 20 | | | 36 | | 2 | | 57 | 8 | | | | |
| 18 | К.М.08.01.07 | Прикладная химия и органический синтез | Б1.О | За | 108 | 48 | 20 | 28 | | | | 60 | 3 | 3 | | Эк КР | 108 | 36 | 16 | 20 | | | | 72 | | 3 | | За ЗаО | 216 | 84 | 36 | 48 | | | 132 | | 6 | | 58 | 789А | | | | |
| 19 | К.М.08.02 | Методика обучения по профилю Химия | Б1.О | За | 72 | 42 | 16 | | 26 | | | 30 | | 2 | | Эк КР | 144 | 39 | 16 | | 20 | 3 | | 69 | 36 | 4 | | Эк За КР | 216 | 81 | 32 | | 46 | 3 | 99 | 36 | 6 | | 58 | 678 | | | | |
| 20 | К.М.08.05 | Техногенные системы и экологический риск | ФТД | | | | | | | | | | | | | За | 72 | 22 | 10 | | 12 | | | 50 | | 2 | | За | 72 | 22 | 10 | | 12 | | | 50 | | 2 | | 58 | 8 | | | |
| ПРАКТИКИ | | (План) | | | 108 | 40 | | | 36 | | | 4 | 68 | 3 | 2 | | 432 | 79 | | | 68 | | | 11 | 353 | | 12 | 8 | | 540 | 119 | | | 104 | | 15 | 421 | | 15 | 10 | | | | |
| | К.М.07.06(У) | Технологическая практика. Комплексная практика по биологии | | | | | | | | | | | | | | ЗаО | 108 | 72 | | | 68 | | | 4 | 36 | | 3 | 2 | ЗаО | 108 | 72 | | | 68 | | 4 | 36 | | 3 | 2 | 58 | 8 | | |
| | К.М.08.04(У) | Технологическая практика. Комплексная практика по химии | | ЗаО | 108 | 40 | | | 36 | | | 4 | 68 | 3 | 2 | | | | | | | | | | | | | ЗаО | 108 | 40 | | | 36 | | 4 | 68 | | 3 | 2 | 58 | 7 | | | |
| | К.М.09.02(П) | Педагогическая практика. Основная школа | | | | | | | | | | | | | | ЗаО | 324 | 7 | | | | | | 7 | 317 | | 9 | 6 | ЗаО | 324 | 7 | | | | | 7 | 317 | | 9 | 6 | 58 | 8 | | |
| ГОСУДАРСТВЕННАЯ ИТОГОВАЯ АТТЕСТАЦИЯ | | (План) | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| ФОРМЫ ПРОМЕЖУТОЧНОЙ АТТЕСТАЦИИ | | | | Эк(2) За(5) ЗаО КР | | | | | | | | | | | | Эк За(2) ЗаО(4) КР | | | | | | | | | | | | Эк(3) За(7) ЗаО(5) КР(2) | | | | | | | | | | | | | | | | |
| КАНИКУЛЫ | | | | | | | | | | | | | | | | 1 | | | | | | | | | | | | | 7 4/6 | | | | | | | | | | | | | 8 4/6 | | |

